• जयपुर, शनिवार 14 जून 25 • वर्ष 14 • अंक 294 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 जयपुर में जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर बढ़ाने के हर संभव प्रयास हों सुनिश्चित...
पेज @4 लापरवाही बरतने पर जिम्मेदारों पर होगी सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री भजनलाल...
पेज @8 अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने जल संरक्षण के...

अहमदाबाद विमान हादसा : घटनास्थल से मिला डीवीआर, ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर

अब खुलेगा राज कैसे हुआ विमान हादसा, एटीएस को सौंपी जिम्मेवारी

एजेंसी

गांधीनगर। अहमदाबाद में हुए भयावह एयर इंडिया विमान हादसे की जांच अब नए मोड़ पर पहुंच चुकी है। एयरपोर्ट से उड़ान भरने के चंद मिनटों बाद हुए इस क्रैश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में 241 लोगों की दर्दनाक मौत के बाद अब इस मामले की जांच आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को सौंप दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक, क्रैश साइट से विमान का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद कर लिया गया है। एटीएस की टीम ने डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया है और इस पूरे मामले की पैरेलल इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दी है।

जांच एजेंसियों को शक है कि यह हादसा किसी तकनीकी खामी से ज्यादा गहरा मामला हो सकता है। इसी के चलते गुजरात एटीएस अब हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है- क्या यह कोई साजिश थी, पायलट की कोई गलती या फिर किसी बाहरी दखल का नतीजा? फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से जरूरी सैंपल जुटा लिए हैं, जिन्हें अब जांच के लिए लैब भेजा जाएगा।

जांच अधिकारी मान रहे हैं कि ब्लैक बॉक्स और डीवीआर में दर्ज डाटा से यह पता चल सकेगा कि क्रैश से पहले विमान के भीतर क्या स्थिति थी, पायलट्स ने क्या बातचीत की, और आखिरी कुछ मिनटों में कॉकपिट में क्या हुआ।

हादसा कैसे हुआ?

फ्लाइट एआई-171 ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी। विमान ने 625 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने के बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क खो दिया और एक मिनट के भीतर ही मेघानी नगर के बी.जे. मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें आग लग गई और भारी धुआं उठने लगा।

ब्लैक बॉक्स की बरामदगी

दुर्घटना स्थल से एक ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया है, जिसे गुजरात एटीएस ने मलबे से निकालकर जांच टीम को सौंपा। अब फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम इसकी जांच करेगी। इसमें रिकॉर्ड हुए डेटा से यह पता चलेगा कि टेकऑफ से लेकर क्रैश तक विमान में क्या घटनाएं हुईं।

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर में इंटरनेट सेवाएं बहाल

इंफाल। मणिपुर में राजधानी सहित पांच जिलों में शुक्रवार सुबह छह बजे इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गईं। इंटरनेट पर बार-बार प्रतिबंध से सामान्य सरकारी और निजी तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर गंभीर असर पड़ा एवं शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन अरामबाई टेंगोल (एटी) के नेता की गिरफ्तारी के बाद सात जून की रात 11.45 बजे से राज्य की राजधानी समेत पांच जिलों में इंटरनेट पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया गया था। राज्य सरकार ने प्रतिबंध के बाद अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। एटी ने अपने नेता की गिरफ्तारी के विरोध में दस दिन बंद की घोषणा की लेकिन तीसरे दिन इसे वापस ले लिया। शुरुआती प्रतिबंध आदेश पांच दिनों के लिए था और यह गुरुवार रात 11.45 बजे समाप्त हो गया। गृह आयुक्त एन अशोक कुमार के देर रात के आदेश से प्रतिबंध को 13 जून की सुबह छह बजे तक बढ़ा दिया गया था।

योग पर वैश्विक सम्मेलन आज

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को 'योग कनेक्ट 2025: एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें दुनिया भर के अग्रणी अंतरराष्ट्रीय योग संस्थानों के एक हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के रूप में 14 जून यहां 'योग कनेक्ट 2025: एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश के योग गुरुओं, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, उद्योग नेताओं, शोधकर्ताओं और वैश्विक प्रभावशाली व्यक्ति शामिल होंगे।

पठानकोट एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

चंडीगढ़। पंजाब के पठानकोट में शुक्रवार को एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। पायलट व अन्य जवान सुरक्षित हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर ने शुक्रवार को पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरी थी। हलेड़ा गांव के पास पहुंचने पर तकनीकी खराबी आ गई। इमरजेंसी को देखते हुए पायलट ने उसे खेत में लैंड करा दिया। मामले की सूचना मिलते ही सेना और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। सेना के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी को दूर करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं इस संबंध में अभी वायु सेना का कोई अधिकृत बयान नहीं आया है।

भारतीय दूतावास ने ईरान में रहने वाले नागरिकों के लिए सलाह जारी की

तेहरान। ईरान में भारतीय दूतावास ने आज अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है, 'ईरान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें। अनावश्यक गतिविधियों से बचें। दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो करें और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें।' उल्लेखनीय है कि इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में बमबारी शुरू कर दी है। ईरानी मीडिया ने कहा कि तेहरान में विस्फोटों की आवाज सुनाई दी।

विमान हादसा : पीएम पहुंचे घटनास्थल, हालात का लिया जायजा

घटना दिल दहला देने वाली : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और राहत व बचाव टीमों से मुलाकात की। उन्होंने तबाही के मंजर को बेहद दुखद बताया और कहा कि हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि जाने वाले पीछे खालीपन छोड़ गए हैं। इस खालीपन को आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा।

वहीं हादसे में ब्रिटेन, कनाडा और पुर्तगाल के नागरिकों ने भी जान गंवाई है। विदेश मंत्री ने इन देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क साधा है और संवेदना प्रगट की है। एक्स पर उन्होंने बताया कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के संबंध में यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी, पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रंगेल और कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के संपर्क में हैं। उन्होंने इन नेताओं से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और दुख की इस घड़ी में पूरा समर्थन देने की पेशकश की है। उल्लेखनीय है कि कल अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान उड़ान के दो मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री, केंद्रीय व राज्य के मंत्रियों-सचिवों संग की उच्चस्तरीय बैठक, दिशा-निर्देश दिए

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार सुबह अहमदाबाद पहुंचकर दुर्घटना स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों ने विस्तार से दुर्घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने विमान हादसे के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मेडिकल हॉस्टल और मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और परिजनों का ढांढस बंधाया। दुर्घटना में घायल हुए चिकित्सकों और हेल्थकेयर वर्कर्स से भी प्रधानमंत्री ने मुलाकात की और उपचार कर रहे डॉक्टरों से मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर हादसे के बाद की परिस्थितियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने इन स्थलों का जायजा लेने के बाद अहमदाबाद में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा राज्य सरकार के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, केन्द्रीय जल-शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, गुजरात के नागरिक उड्डयन मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव पंकज जोशी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार दास, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय सहित प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अहमदाबाद विमान हादसा: करीब 200 लोगों के डीएनए सैंपल लिए गए, कुछ शवों की पहचान हुई

अहमदाबाद/एजेंसी। अहमदाबाद में बीते दिन हुए विमान हादसे में 265 लोगों की मौत हो गई है। इनमें 241 लोग विमान में सवार यात्री और चालक दल के सदस्य थे। बाकी लोग विमान जिस इमारत से टकराया, उसमें थे।

हादसे में ज्यादातर शव बुरी तरह झुलस गए हैं, जिनकी पहचान डीएनए सैंपलिंग के जरिए की जा रही है। अब तक 200 से ज्यादा लोगों के डीएनए सैंपल लिए गए हैं, जिसके बाद कुछ शवों की पहचान हो गई है।

गुजरात एटीएस ने विमान के मलबे से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद किया है। एटीएस के एक अधिकारी ने कहा, यह एक डीवीआर है, जिसे हमने मलबे से बरामद किया है। फोरेंसिक टीम जल्द ही यहां आएगी।

घटनास्थल पर आज राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की टीम भी जांच के लिए पहुंची। अहमदाबाद पुलिस भी स्निफर डॉग लेकर घटनास्थल पर पहुंची, ताकि मलबे में दबे किसी और जीवित व्यक्ति की तलाश की जा सके।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना को लेकर ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा के अपने समकक्षों से बात की। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में हमने अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

बता दें कि विमान में इन तीनों देशों के यात्री भी सवार थे।

वहीं, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कारणों की जांच का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आज अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले घटनास्थल का दौरा किया फिर सिविल अस्पताल में पीड़ितों से मिले। प्रधानमंत्री ने घटना के एकमात्र जीवित बचे शख्स से भी मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने स्थिति की समीक्षा के लिए, अहमदाबाद में मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता भी की। इस दौरान बचाव प्रयासों, पीड़ितों की पहचान और प्रभावित परिवारों के लिए सहायता उपायों पर चर्चा हुई।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने जारी किया आदेश, एयर इंडिया के सभी बोइंग ड्रीमलाइनर विमानों की होगी सुरक्षा जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बाद अब एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के सभी विमानों की जांच होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को बोइंग 787-8/9 बेड़े के सभी विमानों का 'ग्राउंडेड' करके 15 जून से जांच में सुरक्षा निरीक्षण बढ़ाने का आदेश दिया है। इस विमान हादसे में लगभग 265 लोग मारे गए थे।

डीजीसीए के आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को निर्देश देता है कि वह संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस 8787-8/9 विमानों पर निम्नलिखित अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करें।' विमानन नियामक ने अपने आदेश में 15 जून (00:00) बजे से भारत से उड़ान के लिए प्रस्थान से पहले विमानों की एक बार जांच करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अपने आदेश में डीजीसीए ने 15 जून को 00:00 बजे से उड़ान के प्रस्थान से पहले जांच अनिवार्य कर दी है।

विमान नियामक ने ईंधन पैरामीटर निगरानी और संबंधित सिस्टम जांच का निरीक्षण और केबिन एयर कंप्रेसर और संबंधित सिस्टम का निरीक्षण अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्चुएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच, टेक-ऑफ मापदंडों की समीक्षा, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाएगा।

सड़क हादसो में तीन की दर्दनाक मौत

बाराबंकी/एजेंसी। अलग अलग स्थानों पर हुए हादसों में 3 लोगो की मौत हो गयी पुलिस ने पंचनामा कर शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पल्हरी के निकट गुरुवार को अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से बड़ागांव निवासी रईश पुत्र शमशुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल मे भर्ती कराया इलाज के दौरान घायल की मृत्यु हो गयी। इसी क्रम मे गुरुवार की देर रात्रि करीब 10 बजे सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम प्यारेपुर निवासी 25 वर्षीय बरातीलाल पुत्र रामकेवट घर से निकला था जिसका शव शुक्रवार की सुबह गांव के बाहर स्थित पानी टंकी परिसर मे पड़ा मिला सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक घनश्याम वर्मा ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तीसरी घटना जहाँगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम करन्द के निकट ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गयी मृतक की पहचान बिहार प्रांत के धर्मेंद्र के रूप मे हुई है। पूर्वमंत्री अरविन्द सिंह गोप पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, अजय वर्मा पोस्टमार्टम हाऊस पहुंच कर मृतक परिजनों को सांत्वना दी।

दिल्ली में तय समय से 10 दिन पहले पहुंचेगा मानसून, भीषण गर्मी से मिलेगी राहत

नईदिल्ली/एजेंसी। दिल्ली की भीषण गर्मी ने लोगों को पसीना-पसीना कर दिया है। हालांकि, इससे जल्द ही निजात मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने संभावना जताई है कि इस बार दक्षिण-पश्चिमी मानसून दिल्ली में अपने तय समय से 10 दिन पहले पहुंच जाएगा। आमतौर पर राष्ट्रीय राजधानी में मानसून 30 जून के आसपास प्रवेश करता है, लेकिन इस बार यह 20 जून तक दस्तक दे सकता है।

मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है।

दिल्ली में अधिकतम तापमान जहां 45 डिग्री तक पहुंच गया है, वहीं न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। उमस से लोग परेशान हैं। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री अधिक 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, वहीं शुक्रवार तड़के न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री अधिक 31 डिग्री पर था।

मौसम विभाग 14 जून से 19 जून तक बारिश की संभावना जता रहा है, जो मानसून पूर्व बारिश होगी।

ईरान-इजराइल युद्ध > इजराइल का ईरान पर बड़ा हवाई हमला, परमाणु ठिकानों पर दागे बम

इजराइल में आपातकाल, तेल अवीव में बजे सायरन

एजेंसी

तेहरान। इजराइल ने आज तड़के ईरान में कई स्थानों पर बम बरसाए। इस हमले से ईरान सकते में है। बम धमाकों से राजधानी तेहरान के वाशिंदे सहम गए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, इजराइल की सरकार ने शुक्रवार सुबह ईरान के रिहायशी इलाकों पर हमला किया। ईरान की राजधानी तेहरान में कई जोरदार धमाके सुने गए। इसके कुछ ही देरबाद इजराइली सरकार ने घोषणा की कि उसने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है।

इस बीच अमेरिका के 'एबीसी न्यूज' चैनल की खबर में इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार ईरान के विरुद्ध पूर्व-खाली हमले किए। साथ ही इजराइल में आपातकाल की घोषणा कर दी। कैट्ज ने बयान में कहा, 'ईरान के विरुद्ध इजराइल के पूर्वव्यापी हमले के बाद निकट भविष्य में इजराइल और उसके नागरिक आबादी के विरुद्ध मिसाइल और ड्रोन हमला होने की आशंका है।' उनकी इस घोषणा के बाद तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने शुरू हो गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने वाशिंगटन में कहा कि अमेरिका का इसमें कोई हाथ नहीं है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स प्रमुख होसैन सलामी मारे गए

अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इजराइल की सेना ने शुक्रवार सुबह ईरानी परमाणु सुविधा केंद्रों और शीर्ष वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है। ईरानी राज्य टेलीविजन ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख होसैन सलामी हमलों में मारे गए।

अमेरिका का हाथ नहीं

संयुक्त राज्य अमेरिका का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने बयान में कहा कि इजराइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की है। अमेरिका ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता मध्यपूर्व क्षेत्र में अमेरिकी सेना की सुरक्षा करना है। रुबियो ने कहा कि ईरान को अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। ईरान के सरकारी मीडिया ने राजधानी तेहरान में जोरदार विस्फोटों और कुछ लोगों के हताहत होने की सूचना दी है। सरकारी टेलीविजन ने तेहरान के दक्षिण में स्थित शहर नतांज में हमलों की सूचना दी। नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं का बड़ा केंद्र है।

ईरान का इजराइल पर जवाबी हमला, 100 से ज्यादा ड्रोन दागे

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल के शुक्रवार सुबह के हवाई हमले में नष्ट ईरान के परमाणु सुविधा केंद्र, उसके परमाणु वैज्ञानिकों और सैन्य कमांडरों की मौत पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। प्रतिशोध की आग में झुलस रहे ईरान ने कुछ घंटे बाद इजराइल पर 100 से अधिक ड्रोन दागकर तबाही मचाने की कोशिश की।

अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इजराइल के डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने स्वीकार किया है कि इजरायल पर ईरान ने ड्रोन हमला किया है। आईडीएफ ने कहा कि ईरान ने यह हमला उसकी सैन्य कार्रवाई के कुछ घंटे बाद किया। इजराइल ने ईरानी परमाणु सुविधाओं, वैज्ञानिकों और वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को निशाना बनाकर नींद उड़ा दी है। आईडीएफ प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने टेलीविजन पर कहा कि इजराइल की हवाई सुरक्षा प्रणाली ईरानी खतरों को रोकने के लिए काम कर रही है। इसके बाद एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि खतरा खत्म नहीं हुआ है, लेकिन इजराइल ने ईरान के कई यूएवी को रोकने में कामयाबी हासिल की है। डेफ्रिन ने कहा कि आईडीएफ ने ईरान की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर दिया। उसके शीर्ष कमांडरों को मार गिराया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस सैन्य कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है। नाटो महासचिव मार्क रूटे ने स्वीडन में संवाददाताओं से कहा, 'यह इजराइल की एकतरफा कार्रवाई थी। इसलिए मुझे लगता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका सहित कई सहयोगियों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे तनाव कम करने के लिए काम करें।'

आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक जरूरी

आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलीयत को उजागर करने के लिए भारत ने बड़े रणनीतिक स्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं, भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की ओर से किया गया। इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्रवाई ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है।

भारत के प्रतिनिधिमंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे कास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपने प्रतिनिधिमंडलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है। यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग-थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है। इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित कया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है।

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग-थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं हैं। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है। आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिद्दीन, सिपाह ए सहाबा, हिजबुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियां चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है। पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। अमेरिकी स्टेट डिमार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्रवाई करने की बात करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर सेना और राज्य सरकारों की ओर से आतंकी संगठनों को खाद पानी प्राप्त होता रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद की जड़ें बहुत ही गहरी हैं।

विश्व बिरादरी को पाकिस्तान की वास्तविकता बताने के लिए भारत की ओर से ठोस रणनीति बनाकर कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है, जहां पाकिस्तान सरकार को अपने ही देश के विपक्षी दलों के कोप का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारत सरकार के साथ विपक्ष के सांसदों ने पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सामूहिक वैश्विक अभियान चलाया है। इससे पाकिस्तान को यह डर सता रहा है कि कहीं पाकिस्तान एक बार फिर से ग्रे सूची में ना आ जाए। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि पाकिस्तान की तसवीर यही चित्र प्रदर्शित कर रही है। आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में अब इतना साहस नहीं है कि वह विश्व के आर्थिक प्रतिबंधों को झेल सके। इसमें पाकिस्तान में आतंरिक विरोधाभास आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। ब्लूचिस्तान में पाकिस्तान से अलग होने के लिए चल रहे आंदोलन में और तेजी आई है। इतना ही नहीं बीएलए ने तो कई कदम आगे बढ़कर अपने आपको स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है। ब्लूचिस्तान का यह कदम पाकिस्तान को बहुत कमजोर करने वाला है।

पाकिस्तान के बारे में यह आम धारणा निर्मित हो चुकी है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इसके अलावा यहां पर आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषित भी किया जाता है। विश्व के कई देश आतंकवाद को समाप्त करने के लिए आवाज उठा रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब तक आतंकवाद को वित्त पोषित किया जाता रहेगा, तब तक उसे समाप्त करना कठिन है। इसलिए सबसे पहले आतंकवादी संगठनों के वित्त पोषण पर लगाम लगाने की आवश्यकता है।

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बनें

ललित गर्ग

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक

बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है। इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है।

रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

अहमदाबाद में 'सपनों की उड़ान' से सुलगते सवाल

प्रियंका सौरभ

अहमदाबाद में 12 जून की सुबह आम दिनों की तरह सामान्य थी। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आज की दोपहर रुलाने वाली होगी। एअर इंडिया की फ्लाइट ए1-171 लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने कुछ ही सेकंड बाद क्रैश हो गई। यह हादसा सिर्फ अहमदाबाद को ही नहीं, पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर गया। इस विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर थे। सभी की अपनी-अपनी कहानियां थीं। कोई पहली बार विदेश जा रहा था। किसी को बेटी की शादी में शामिल होना था। कोई नौकरी के लिए लंदन जा रहा था तो कोई अपने बेटे से मिलने। किसी ने शायद दरवाजा बंद करते समय पीछे मुड़कर देखा हो। मगर अधिकांश ने आखिरी बार कहा होगा-पहुंचकर फोन करना। लेकिन इसका मौका 'सपनों की उड़ान' भरने वालों को नहीं मिला।

इस विमान का बड़ा हिस्सा मेघानी नगर के मेडिकल छात्रावास पर भी गिरा। इससे वहा रह रहे छह छात्र भी मौत के मुंह में समा गए। यह युवा भविष्य में किसी की जान बचा सकते थे। दुर्भाग्य देखिए, उनकी अपनी जानें ही नहीं बच सकीं। किसी मोबाइल फोन की स्क्रीन पर शायद अभी भी ममता का 'मिस्ड कॉल' दिख रहा होगा। किसी के व्हाट्स ऐप पर अब भी "लैंड करते ही मैसेज करना" लिखा होगा।

हादसे में मर जाना अलग बात है, लेकिन बिना अलविदा कहे दुनिया

छोड़ जाना एक अकल्पनीय दुःख होता है। एअर इंडिया का यह ड्रीमलाइनर विमान आधुनिकतम सुरक्षा तकनीक से लैस था। ड्रीमलाइनर 787 को उड्डयन जगत में विश्वसनीय माना जाता है। फिर सवाल उठता है-कैसे हुआ ये हादसा? क्या विमान में पहले से कोई तकनीकी गड़बड़ी थी? क्या मेंटेनेंस में लापरवाही बरती गई? या फिर यह एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग है? कैप्टन सुमीत सबरवाल इस विमान को उड़ा रहे थे। वे 8200 घंटे के उड़ान अनुभव वाले वरिष्ठ पायलट थे। उनके साथ सह-पायलट क्लाइव कुन्दर भी थे। उनके पास भी पर्याप्त उड़ान अनुभव था। कहते हैं कि दोनों ने आखिरी क्षण तक विमान को कंट्रोल करने की कोशिश की। ब्लैक बॉक्स से मिली रिकॉर्डिंग में कैप्टन की अंतिम आवाज 'मेडे कॉल' के रूप मे दर्ज है। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में देर नहीं की। खबर फैलते ही अस्पतालों के बाहर परिजनों की चीखें सुनाई देने लगीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। हादसों के बाद हम अकसर संवेदनाएं प्रकट करते हैं। मोमबत्तियाँ जलाते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और फिर भूल जाते हैं। लेकिन इस बार कुछ बदलना होगा। कई परिवार ऐसे हैं जिनका एकमात्र कमाने वाला सदस्य इस हादसे में चला गया। कुछ ऐसे हैं जिनके तीन-तीन सदस्य एकसाथ उड़ान पर थे और अब उनकी कोई स्मृति शेष नहीं।

एक छह साल की बच्ची की तस्वीर वायरल हो रही है जो अपने दादा-दादी के साथ पहली बार विदेश जा रही थी। अब उसकी गुलाबी गुड़िया राख में मिली है। एक नवविवाहिता जो ससुराल के लिए रवाना हुई थी, अब ताबूत में लौटेगी। यह कहानियां तकलीफदेह हैं। इस हादसे के बाद हमें दो काम जरूर करने चाहिए। पहला-पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी, कानूनी और मानसिक सहायता दी जाए। दूसरा-यह सुनिश्चित किया जाए कि भारत की कोई भी उड़ान हो, उसे उड़ने से पहले सौ बार जांचा जाए। एक शोक रचना याद आ रही है-"जो उड़ने चले थे सितारे बन के, वो राख में अब निशान बन के रह गए।" यह दुर्घटना उन सभी यात्रियों को श्रद्धांजलि है जो सिर्फ मंज्ल की आशा लेकर चले थे और अब हमारी यादों का हिस्सा बन गए हैं। वे लौटकर नहीं आएंगे, लेकिन अगर हमने उनकी याद में सिस्टम को बेहतर बना दिया, तो शायद उनके जाने का कोई अर्थ रह जाएगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अहमदाबाद विमान हादसा : यह सरकार और सिस्टम को दोष देने का नहीं, प्रार्थना का समय है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से इस पर संवेदनाएं व्यक्त करनेवालों के साथ ही एक ऐसा वर्ग भी सोशल मीडिया पर दिखाई दे रहा है, जो लगातार इस घटना के बहाने अपनी सरकार और पूरे सिस्टम को दोषी करार दे रहा है। जिन्हें देश के बड़े उद्योगपतियों से आपत्ति है, उनका विरोध यहां तक पहुंच गया है कि वह उन्हें भी इस हादसे का दोषी करार दे रहे हैं। एयर इंडिया का निजीकरण करने की आलोचना कर रहे हैं और सरकार को इस दुर्घटना का कारण मानकर उसे कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। किंतु क्या यह व्यवहार ठीक है? जब देश के प्रत्येक नागरिक को इस दुखद प्रसंग में एक साथ खड़े होना चाहिए, जब उन्हें मृतकों के लिए शांति की प्रार्थना करनी चाहिए तब क्या इस प्रकार के लोगों का नकारात्मक व्यवहार उचित कहा जा सकता है? कई पोस्ट पढ़ते वक्त लगा कि ये क्या लिखा जा रहा है? कहा जा रहा है कि अहमदाबाद सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट के ऑपरेशन और मेंटेनेंस का काम Adani Enterprises की कंपनी Ahmedabad International Airport Ltd (AIAL) देखती है, जिसे 2020 में एयरपोर्ट का ठेका 50 साल के लिए मिला था। एयर इंडिया का मालिकाना हक टाटा ग्रुप के पास है। अक्टूबर 2021 में सरकार ने एयर इंडिया का निजीकरण करते हुए इसे टाटा ग्रुप को सौंप दिया था। निजीकरण के नाम पर जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है लेकिन सुविधाएं घटिया होती जा रही हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का जब से प्राइवेटाइजेशन हुआ है तब से स्थिति खस्ताहाल होती जा रही है रोडवेज बसे, ट्रेन और अब फ्लाइट...।

इसी तरह से किसी भी स्तर पर जाकर जिन्हें केंद्र की मोदी सरकार को कोसने का अवसर चाहिए, उन्होंने भी इस हादसे में अपने लिए अवसर ढूंढ़ लिया। अब जो यह लिख रहे हैं, उन्हें पूरी हकीकत भी पहले जान लेना चाहिए। क्योंकि समझनेवाली बात यह है कि अदानी कंपनी का काम एयरपोर्ट की देखभाल है, हवाई जहाज उड़ाने और लैंड कराने का काम एयरपोर्ट ऑथोरिटी का है। फिर भी उद्योगपति गौतम अडानी की जो प्रतिक्रिया सामने आई है, वह एक बार सभी को अवश्य देखना चाहिए। अडानी ने कहा, "हम एयर इंडिया की फ्लाइट 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अकल्पनीय क्षति झेली है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं।" इस वक्त अडानी समूह एयर इंडिया के विमान AI171 के दुर्घटनाग्रस्त

होने के बाद से चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। एयरपोर्ट के ऑपरेटर के तौर पर, अडानी ग्रुप की ग्राउंड टीमें घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों में से थीं, जो एयरपोर्ट संचालन, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं और राष्ट्रीय आपदा टीमों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए काम कर रही थीं।यहां इससे अधिक हम क्या अपेक्षा कर सकते हैं अडानी ग्रुप से? जबकि वह तो अपना काम अच्छे से कर ही रहा है।

हालांकि यह गहन जांच का विषय है कि उक्त हादसा हुआ क्यों? पर हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि यह पहला मौका नहीं है जब बोइंग का कोई विमान क्रैश हुआ है। हादसों के मामले में बोइंग विमानों का इतिहास दागदार है। इससे पहले 2024 में दक्षिण कोरिया में बोइंग का विमान क्रैश हुआ था, जिसमें लगभग 180 लोगों की जान चली गई थी। इसमें बोइंग का 737-800 एयरक्राफ्ट शामिल था, जो 737 मैक्स का नया वर्जन था। 2018 और 2019 में भी बोइंग 737 मैक्स का विमान क्रैश हुआ था, जिनमें लायन एयर फ्लाइट 610 और इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 शामिल थीं। इन दुर्घटनाओं में 346 यात्री और क्रू मेंबर्स की जान चली गई। इस संबंध में अभी तक सामने आए आंकड़ों के अनुसार, बोइंग विमान दुनिया भर में लगभग 6,000 दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं। इसमें 415 घातक थीं और 9,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है। दुनिया भर में हजारों यात्री विमानों में कम से 4,000 से ज्यादा विमान बोइंग 737-800 हैं। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में बोइंग विमानों का इस्तेमाल प्रमुखता से किया जाता है। वहीं, पिछले कुछ वर्षों में पायलटों ने इंजन में बर्फ जमने, ईंधन रिसाव, जनरेटर की विफलता और विद्युत प्रणाली में खराबी जैसी समस्याओं की भी शिकायत की है। इन्हीं कमियों के चलते 2024 में कंपनी के एक इंजीनियर, व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपुर ने ड्रीमलाइनर के मुख्य भाग में संरचनात्मक समस्याओं के बारे में अमेरिकी सीनेट को बताया था। इसके बाद बोइंग फिर से जांच के दायरे में आ गया। उन्होंने दावा किया था कि छोटी-छोटी खामियां और सही असेंबलिंग न होना विमान के जल्द खराब होने और संरचनात्मक विफलता का कारण बन सकते हैं। एफएए ने एक जांच शुरू की, जो अभी भी जारी है। स्वभाविक है जब तक जांच का कोई परिणाम नहीं आ जाता, ये विमान आसमान में पूरी दुनिया में उड़ते रहेंगे।

वस्तुतः यहां हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि इस विमान को आधुनिक ओर सक्षम विमान माना जाता है लेकिन इन विमानों का इतिहास सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा रहा है। यह विमान ही क्यों पूरा हवाई सेक्टर ही हमेशा से चिंताओं से भरा रहा है। लाख सावधानी और सुरक्षा के बाद भी घटना कहीं भी कभी भी घट सकती है। यह कोई दावा किसी भी स्तर पर नहीं कर सकता कि दुर्घटना का पता पहले से लगाया जा सकता है। इस केस में पहले प्लेन के पायलट सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर ने Mayday कॉल किया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को हादसे के पहले यह बताने की कोशिश की थी कि विमान में कुछ गड़बड़ी है Mayday कॉल का मतलब पायलट के पास मदद मांगने का समय था, लेकिन प्लेन कंट्रोल करने का नहीं।' इसका मतलब यह भी है कि इस विमान में अचानक से आई कोई बड़ी खराबी रही, जो इसके हादसे का कारण बना है।

वास्तव में यह वक्त अपनी सरकार पर दोषारोपण करने का नहीं, बल्कि जो मृत हुए हैं, उनके प्रति अपनी सांत्वना व्यक्त करने का है। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। पति-पत्नी के साथ उनके दो जुड़वां बच्चे और एक बेटे की जो अंतिम फोटो सामने आई है, वह सभी को भावुक करती है। प्रतीक जोशी जो लंदन में पेशे से डॉक्टर थे, उनकी पत्नी कोमी व्यास, जुड़वां बेटियां मिराया जोशी और प्रद्युत जोशी, बेटा नकुल जोशी के साथ यात्रा कर रहे थे। प्लेन के टेकऑफ होने से पहले उन्होंने सेल्फी भी ली थी जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मरनेवालों में कई लोग तो अपनी बहुत जिंदगी जी चुके थे, लेकिन ये तीनों बच्चे तो अभी बहुत छोटे ही थे, जिन्हें जीवन में बहुत कुछ देखना था, पर अनहोनी के बारे में क्या भविष्यवाणी की जा सकती है! इस प्लेन क्रैश में नई नवेली दुल्हन खुशबू की पहली उड़ान ही उसके लिए आखिरी साबित हुई जोकि अपने पति के पास लंदन जा रही थी।

एक भारत की बेटी राजस्थान के उदयपुर की रहने वाली पायल खटीक जो अपने सपनों को उड़ान देने के लिए लंदन जा रही थी, उसके परिवार के लिए उसकी ये यात्रा अंतिम साबित हुई है। वस्तुतः इस तरह की अनेक कहानियां हैं, जिन्होंने अपना सब कुछ खो दिया, हर कहानी बहुत भावुक करती है और जिंदगी का सबक भी देती हैं कि जीवन में अंतिम क्षण कब, कहां आ जाए कोई भरोसा नहीं। यहां देखो; ये सभी यात्री थे, लेकिन जो कहीं यात्रा नहीं कर रहे थे, ऐसे विमान हादसे में कम से कम पांच एमबीबीएस के छात्र, एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर और बीजे मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद के सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी की भी मौत हुई है। इस हादसे में 60 से अधिक मेडिकल छात्र घायल हुए हैं। अब तक जान गंवाने वालों का आंकड़ा 265 पर जा पहुंचा है। रेस्क्यू टीमों ने विमान के ब्लैकबॉक्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर बरामद कर लिया है, अब रिपोर्ट आनी बाकी है, जिसके बाद यह खुलासा हो सकेगा कि हादसे से पहले अंतिम पलों में हुआ क्या था। लेकिन जब तक रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक कम से कम हम इतना तो कर ही सकते हैं जो नहीं रहे, उन मृतकों के लिए शांतिपाठ और जो घायल हैं, उन सभी घायलों के लिए प्रार्थना, न कि अपनी सरकार को घेरने का इसे अवसर मानकर सिर्फ नकारात्मक बातें फैलाने का हम कारण बने।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

संक्षिप्त समाचार

आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मेमोरियल सेंटर ने विशाखापट्टनम में उन्नत कैंसर केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी

चमकता राजस्थान/विशाखापट्टनम। आईसीआईसीआई बैंक ने टाटा मेमोरियल सेंटर (TMC) के साथ साझेदारी में विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (HBCHRC) में एक नए भवन के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। बैंक ने लगभग 3.9 लाख वर्गफुट क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त भवन के निर्माण के लिए 550 करोड़ से अधिक की राशि समर्पित की है।

निर्माणाधीन आठ मंज़िला भवन – आईसीआईसीआई फाउंडेशन ब्लॉक फॉर चाइल्ड एंड ब्लड कैंसर – प्रति वर्ष लगभग 3,000 मरीजों का उपचार करेगा। वर्तमान में एचबीसीएचआरसी, विशाखापट्टनम की क्षमता 6,200 मरीजों की है। यह नया भवन पूर्वी भारत के सबसे बड़े विशेषीकृत कैंसर उपचार केंद्रों में से एक होगा, जिसमें 215 से अधिक बेड होंगे।

आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने कहा, ₹हमें कैंसर देखभाल के लिए टीएमसी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो देश में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की हमारी फिलोस्फी के अनुरूप है।

इस अवसर पर, आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक संदीप बत्रा ने कहा, ''आईसीआईसीआई बैंक में, स्वास्थ्य सेवा हमारे सीएसआर प्रयासों का एक प्रमुख हिस्सा है।''

डॉ. उमेश महंतशेट्टी, निदेशक, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, विशाखापत्तनम ने कहाः ''हम आईसीआईसीआई फाउंडेशन के इस उदार योगदान के लिए हार्दिक आभार प्रकट करते हैं। यह सहयोग विशाखापत्तनम क्षेत्र में पीडियाट्रिक और हेमेटोलिम्फोइड कैंसर के उपचार और अनुसंधान को एक नई दिशा देगा।''

टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई के पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर और हैड डॉ. गिरीश चिन्नास्वामी ने कहा, ₹ होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, विशाखापट्टनम में पिछले तीन वर्षों से हर साल लगभग 200 नए पीडियाट्रिक कैंसर और 350-400 हेमेटोलिम्फॉइड कैंसर रोगी पंजीकृत किए जा रहे हैं।''

गादौली का जमीनी विवाद का मामला- हत्या प्रयास के मामलें में तीन आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/नदबई (राजवीर सिंह)। लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव गादौली के चर्चित जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट होने के मामलें में पुलिस सीओ अमरसिंह राठौड़ ने कार्रवाई करते हुए एक पक्ष से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। बाद में आरोपियों को जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गादौली निवासी हनुमान सिंह पु अचल सिंह, रविन्द्र सिंह पुत्र भयंकर सिंह व प्रेमसिंह पुत्र रामबक्त सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

गौरतलब है कि 28 जनवरी 2014 में जमीनी विवाद के बीच कहासुनी होने के चलते दो जाति पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। गिरफ्तार आरोपियों ने अपने अन्य परिजनों के साथ मिलकर दूसरे पक्ष के चन्द्रभान जाटव के साथ लाठी डण्डों से जमकर मारपीट की। बाद में घायल चन्द्रभान जाटव के भाई सुरेन्द्र जाटव पुत्र अमरचंद जाटव ने गिरफ्तार आरोपी सहित 24 जनों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। जबकि, दूसरे पक्ष से चन्द्रभान सिंह पुत्र अमर सिंह ने छह जनों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। बाद में पुलिस सीओ अमरसिंह राठौड़ ने जांच पडताल कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। सूत्रों की मानें तो मामलें में गादौली निवासी वीरेन्द्र सिंह पुत्र रामखिलाडी व पुत्र पंकज सिंह सहित नरेन्द्र सिंह पुत्र भयंकर सिंह को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान, रक्तदान के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

दिनेश प्रजापत/चमकता राजस्थान/सांगानेर/जयपुर। राजधानी जयपुर के हवामहल विधानसभा क्षेत्र के जयसिंहपुरा खोर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भारतीय युवा कांग्रेस के युवा नेता नूतन सैनी के नेतृत्व में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर में 51 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर में रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। लोगों को रक्तदान करने के फायदे भी बताए गए। साथ ही दंत चिकित्सा परामर्श शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक लोगों ने परामर्श का लाभ उठाया। रक्तदान शिविर में जयपुर शहर अध्यक्ष आरआर तिवाडी और पूर्व मंत्री बृज किशोर शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया। जल महल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जावेद सेठी, कांग्रेस के जयसिंहपुरा खोर मंडल अध्यक्ष नूतन स्कूल के निर्देशक रमेश कुमार सैनी, जिला महामंत्री जिम्मी बन्ना, जिला महासचिव स्नेहलता भारद्वाज, वार्ड पार्षद भूपेंद्र मीणा, कांग्रेस नेता मनीष सांखला, कादर भाई, ओबीसी प्रकोष्ठ के महासचिव विनोद प्रजापत, कांग्रेस नेता गुलाब इंदौरा, बाबूलाल सैनी, लोकेश सैनी, विकल्प जोशी, सचिव जलमहल ब्लॉक आकाश डंगोरिया, अध्यक्ष हवामहल युवा कांग्रेस नावेद राजा, गफ्फार भाई, शाहीन खान, विष्णु शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जयपुर में जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर बढ़ाने के हर संभव प्रयास हों सुनिश्चित

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिये निर्देश

- **शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन**
- **वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के दिये निर्देश**

चमकता राजस्थान

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जयपुर जिले में प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर ने अभियान की प्रगति एवं आगामी कार्य योजना की समीक्षा की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा आमजन को जोड़ने एवं जन जागरुकता बढ़ाने के निर्देश दिये। साथ ही, उन्होंने अधिकरियों को जल संरचनाओं की साफ-सफाई, पुनरुद्धार के द्वारा जिले में भू जल स्तर बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में जिला कलक्टर ने वन विभाग के अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने एवं जिले में वनावरण बढ़ाने के कदम उठाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को अभियान के तहत जन जागरुकता रैलियों के आयोजन, जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं मरम्मत करवाने, पक्षियों के लिये परिंडे लगवाने, आमजन को जल सरंक्षण के लिए प्रेरित करते हुए शपथ दिलवाने, नवीन जल संरचनाओं के निर्माण के निर्देश दिये।

बैठक में जयपुर नगर निगम जयपुर ग्रेटर आयुक्त श्रीमती रुक्मणी रियार, नगर निगम जयपुर हैरिटेज आयुक्त श्री अरुण कुमार हसीजा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा, उपवन संरक्षक श्री वी. केतन कुमार, अतिरिक्ति मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शेर सिंह लुहाड़िया, पुलिस विभाग, वन, उद्योग विभाग, शिक्षा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, भू जल विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, जल संसाधन विभाग, राजीविका, पंचायती राज विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, देवस्थान विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए छीजत कम करने पर जयपुर डिस्कॉम का फोकस

सर्वाधिक छीजत वाले 18 सब डिविजनों में विद्युत तंत्र को मजबूत करने का प्लान

चमकता राजस्थान

जयपुर। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा के निर्देश पर जयपुर विद्युत वितरण निगम ने सर्वाधिक वितरण एवं वाणिज्यिक हानियों (एटी एंड सी लॉसेज) वाले 18 सब डिविजनों में विद्युत तंत्र को मजबूत कर बिजली की छीजत रोकने पर फोकस किया है। इसके तहत इन सभी सब डिविजनों के सहायक अभियंताओं के साथ सुश्री डोगरा ने विद्युत भवन में शुक्रवार को चर्चा की। इस दौरान चेयरमैन डिस्कॉम्स ने सहायक अभियंताओं से उनके क्षेत्र में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने तथा लॉसेज कम करने का प्लान मांगा और विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

सुश्री डोगरा ने कहा कि जयपुर डिस्कॉम के उन सब डिविजनों को चिन्हित किया गया है, जहां डिस्ट्रिब्यूशन हानियां 30 प्रतिशत से अधिक हैं। इन सभी हाई ला-ॅस वाले सब डिविजनों की प्रतिमाह उच्च स्तरीय समीक्षा होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियंता योजनाबद्ध रूप से लॉसेज को दूर करने के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करें, जिससे कि आम उपभोक्ता को डिस्कॉम द्वारा गुणवत्ता युक्त बिजली आपूर्ति एवं बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें। संबंधित जोनल मुख्य अभियंता तथा अधीक्षण अभियंता भी इस बैठक से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

यह सब डिविजन

बसेड़ी, धौलपुर (ए-प्रथम), डीग, कुम्हेर, कामां, सीकरी, नगर, पहाड़ी, बगड़मेव, खोहरा मुल्ला, महुवा, बारां (ए-प्रथम), मासलपुर, झालावाड़ (शहर), बहरोड़ (शहर), बहरोड़ (ग्रामीण), पावटा, टोंक (ए-प्रथम)।

यह बताए उपाय

- » ओवरलोड फीडर का विभाजन कर नए फीडर तैयार करना
- » कटी हुई तथा क्षतिग्रस्त अवैध सर्विस लाइनें बदलना
- » डिफेक्टिव मीटर बदलना
- » विद्युत चोरी रोकने के प्रभावी प्रयास
- » नए जीएसएस के प्रस्ताव
- » जहां अधिक चोरी हो रही है, वहां एबी केबल डालना
- » अवैध ट्रांसफार्मरों को जब्त करना
- » ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाकर लोड का बेहतर प्रबंधन
- » आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत विद्युत तंत्र में सुधार कार्यों को गति
- » छीजत में कमी लाकर ग्रिड से ली गई बिजली तथा उपभोक्ताओं से हुई रिकवरी के बीच अंतर घटाना।

जाटव समाज की महापंचायत 15 जून को, कुरीतियों के उन्मूलन का लिया जाएगा संकल्प

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। जाटव समाज की सामाजिक एकजुटता, आत्मगौरव और समग्र विकास के उद्देश्य से 15 जून 2025 को बाबा जोरावर धाम चितौरा, जिला धौलपुर में एक भव्य महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन में जिले भर के जाटव समाज के गणमान्य नागरिकों, युवा साथियों और वरिष्ठजनों से भागीदारी की अपील की गई है। महापंचायत का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन करना, शिक्षा और स्वाभिमान को बढ़ावा देना तथा समाज को एक नई दिशा देना है।

● मुख्य रूप से चर्चा के बिंदु होंगे

1. शिक्षा का अधिकतम प्रचार- प्रसार एवं जागरूकता अभियान।
2. शादियों में अनावश्यक खर्च को रोकने के लिए जागरूकता।
3. मृत्यु भोज और उससे जुड़ी परंपराओं पर रोक लगाने का संकल्प।
4. समाज के आत्म- सम्मान और एकता को मजबूत करने की रणनीति।
5. सामूहिक आयोजनों में नशामुक्ति को अनिवार्य बनाया जाएगा।
6. लिए गए निर्णयों को दस्तावेजी रूप देकर जिलेभर में प्रचारित किया जाएगा।
7. जिला, ब्लॉक व पंचायत स्तर पर 'पंच- पटेल समिति' का गठन किया जाएगा जो कुरीतियों के उन्मूलन की निगरानी करेगी,

सभी समाज बंधुओं से अनुरोध है, कि 15 जून को प्रातः 10 बजे बाबा जोरावर धाम चितौरा पहुंचकर महापंचायत को सफल बनाएं और समाज को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करें।

नगदी सहित आभूषण चोरी का मामला- पुलिस ने किए दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने नदबई डहरामोड बस स्टेण्ड से आरोपियों को लिया हिरासत में, गिरफ्तार आरोपी नगर विडगमा निवासी

चमकता राजस्थान

नदबई (राजवीर सिंह)। कस्बे में हंसू पोखर के समीप करीब ढेड़ माह पहले एक मकान से ढाई लाख की नगदी सहित करीब दस लाख के आभूषण चोरी के मामलें में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के गांव विडगमा निवासी अरसद मेव पुत्र पलटू मेव व इमरान पुत्र आशूं मेव को पुलिस ने कस्बा स्थित डहरामोड बस स्टेण्ड से हिरासत में लिया। बाद में जांच पडताल दौरान चोरी का मामला सामने आने पर पुलिस, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच पडताल में जुट गई। गौरतलब है कि 30 अप्रेल की रात पीडित नाहरसिंह, अपने पोते दिनेश की बारात लेकर गया। इसी दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने मकान की खिडकी तोड ढाई लाख की नगदी सहित दस लाख के आभूषण चोरी की बारदात को अंजाम दिया। बाद में मामला दर्ज होने पर थाना प्रभारी विजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान बना जन-जन का अभियान

बदल रही तस्वीर, रंग ला रहा बूंद-बूंद बचाने का संकल्प

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जयपुर जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जल अभियान के जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में अभियान के तहत हर उपखंड में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में शुक्रवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में विभिन्न विभागों द्वारा जन सहभागिता से जल संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जल संसाधन विभाग, जयपुर द्वारा जिले के समस्त छोटे-बड़े बाँधों पर 'कैच द रेन' अभियान के तहत जल उपभोक्ता समूहों की सहभागिता से जल संचय कार्यक्रम, नवीन पूर्ण कार्यों का लोकार्पण तथा नहरों एवं खालों की सफाई जैसे कार्य संपन्न कराए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त शुक्रवार को विभाग द्वारा नांगल भील, पाटलावास, बड़ोदिया मीणा एवं मोरिया ग्रामों में श्रद्धांजलि सभा एवं रैली आयोजित की गई, जिसमें अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की भागीदारी रही। उक्त कार्यक्रमों में वंदे गंगा एप पर प्रविष्टि भी की गईं। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भी व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की गईं। कोटखावद ब्लॉक में ओएचएसआर एवं सीडब्ल्यूआर की सफाई, कार्यालय परिस-रों की सफाई तथा वाटर टेस्टिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सहायक अभियंता शिवचरण मीणा, कनिष्ठ अभियंता अमर सिंह मीणा, स्थानीय स्टाफ एवं जन समुदाय की सहभागिता रही। इसी क्रम में विभाग द्वा-रा पंचायत समिति जोबनेर की ग्राम पंचायतें बसी -नागान, धानू नागान, हिंगोनिया, धानी, बोराज, भियासावा, कालवाड़, भांबरी एवं लालपुर में भी ओएचएसआर एवं सीडब्ल्यूआर की सफाई का कार्य संपन्न कराया गया।

इस दौरान नायब तहसीलदार श्री गोपाल जी, सहायक अभियंता स्वामी जी, अन्य तकनीकी स्टाफ एवं स्थानीय जन समुदाय की सक्रिय भागीदारी रही। भूजल विभाग द्वारा शाहपुरा की नवालपुरा ग्राम पंचायत में स्थित रिचार्ज शाफ्ट पर कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर जल शपथ, भूमिपूजन, लोकार्पण, नर्सरी निर्माण, तथा पौधारोपण कार्य संपन्न हुए।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्री उपेन यादव, सरपंच श्रीमती सीता देवी, भूजल वैज्ञानिक श्री मलिंदर चौहान, स्थानीय विभागीय अधिकारी, नरेगा कर्मचारी तथा स्थानीय जन समुदाय की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य जनसामान्य को जल स्त्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और पुनर्भरण के महत्व से जोड़ते हुए एक जन आंदोलन की भावना का विकास करना है।

संक्षिप्त समाचार

गाँव नाम में खराब सड़क को लेकर ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

● गांव में ही की भूख हड़ताल शुरू, बोले समस्या का हो स्थाई समाधान

चमकता राजस्थान/नदबई (राजवीर सिंह)। उपखंड के अंतर्गत आने वाले गाँव नाम में लंबे समय से खराब पड़ी सड़क को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश शुक्रवार को फूट पड़ा। शुक्रवार शाम को ग्रामीणों ने गाँव में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक सड़क की मरम्मत शुरू नहीं होती और कीचड़-पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक यह भूख हड़ताल जारी रहेगी।

ग्रामीणों ने बताया कि गाँव नाम से अरौदा की तरफ जाने वाली सड़क, जो कि राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ती है, उसका करीब 500 मीटर का हिस्सा पूरी तरह से जलमग्न और कीचड़ से भरा हुआ है। इस रास्ते से स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों और दैनिक यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में यह रास्ता और भी ज्यादा खतरनाक हो गया है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीण मुकेश फौजदार ने बताया कि ग्रामीणों ने कई बार इस समस्या को लेकर पीडब्ल्यूडी विभाग और संबंधित अधिकारियों को सूचित किया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, कार्यवाही के नाम पर कुछ नहीं हुआ। ₹बार-बार गुहार लगाने के बावजूद जब हमारी सुनवाई नहीं हुई, तब हमें यह कठोर कदम उठाना पड़ा₹, उन्होंने कहा।

गुरुवार को ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी गंगाधर मीणा को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की थी। ज्ञापन में उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर प्रशासन जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाता तो वे भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होंगे। अब प्रशासन की ओर से कार्रवाई न होते देख ग्रामीणों ने शुक्रवार शाम को सामूहिक रूप से भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

प्रोजेक्ट बालवर्धन का शुभारंभ, समग्र बाल विकास और पोषण को मिलेगा नया आयाम

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिले में प्रोजेक्ट बालवर्धन का विधिवत शुभारंभ जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी.टी. की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के साथ किया गया। यह परियोजना वेदांता के नंदघर और खरकफ&ळ इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से प्रारंभ की गई है, जिसका उद्देश्य जिले में बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और समग्र विकास को नई दिशा देना है। जिला कलेक्टर ने परियोजना के सफल प्रारंभ और एक माह के भीतर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर समर्पित टीम के गठन की सराहना की। उन्होंने इसे एक सशक्त अभिसरण मॉडल बताया जिसमें बहुविभागीय समन्वय के साथ स्थानीय सहभागिता को भी महत्व दिया जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी नंद घरों में पोषण वाटिकाएं विकसित की जाएंगी, जिसमें विभागीय बजट और मनरेगा का सहयोग लिया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण ब्लॉक और सेक्टर स्तर पर कराया जाएगा, जिसमें टेक होम राशन प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा और ग्रोथ मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। टेक होम राशन के प्रचार हेतु रेसिपी डेमो, फोर्टिफिकेशन और न्यूट्रिशन बार वितरण जैसी गतिविधियाँ भी प्रस्तावित की गई हैं। इसके अलावा ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों को सक्रिय करते हुए अप्रतिबंधित निधि के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया गया है। प्रोजेक्ट बालवर्धन को जिला एवं ब्लॉक स्तर की कन्वर्जेंस बैठकों के स्थायी एजेंडे में शामिल किया जाएगा, जिससे इसकी नियमित समीक्षा और निगरानी संभव हो सकेगी। मानकीकृत चेकलिस्ट के माध्यम से सपोर्टिव सुपरविजन की प्रणाली को भी लागू किया जाएगा। बैठक में सीईओ जिला परिषद आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ, उप निदेशक आईसीडीएस धीरेंद्र सिंह, सीएमएचओ डॉ. धर्म सिंह मीना, सीडीईओ महेश कुमार मंगल, नंदघर की ओर से रोहिणी सारन, प्रियंका शर्मा तथा खरककी ओर से नीरज अग्रवाल ने सहभागिता की। जिला कलेक्टर ने प्रोजेक्ट के माध्यम से जिले में बच्चों और माताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता जताते हुए इसके क्रियान्वयन में जिला प्रशासन के निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने ली सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक

लापरवाही बरतने पर जिम्मेदारों पर होगी सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखने तथा तय समय में निर्माण कार्य पूरे करने के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रू. से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

रेलवे फाटक मुक्त होगा राजस्थान

» बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए। उन्होंने प्रदेश में प्रगतिरत आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

सड़क उन्नयन एवं मरम्मत कार्य मानसून से पहले हों पूरे

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर कस्बा सड़क मार्ग से जुड़ा हो ताकि आवागमन में आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं मरम्मत से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए तथा मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने वन विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं को समन्वय स्थापित करते हुए पूरा करने के निर्देश दिए।

पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका खारिज

चमकता राजस्थान

जयपुर। जल जीवन मिशन घोटाले में लिप्त ठेकेदारों से दो करोड़ 10 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी गई।

याचिका की सुनवाई विशिष्ट न्यायाधीश (धनशोधन निवारण अधिनियम) जयपुर महानगर-प्रथम की अदालत में हुई। जोशी की ओर से प्रस्तुत जमानत याचिका में प्रवर्तन निदेशालय पर प्रार्थी को निर्दोष व झूठा फसाया जाना करार दिया गया, जबकि प्रवर्तन निदेशालय के अधिवक्ता अजातशत्रु मीना ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए महेश जोशी को इस मामले में लिप्त करार देते हुए रिश्वत से मिली राशि का उपयोग संपत्तियों की खरीद में किए जाने का आरोप लगाया। अदालत में पेश दस्तावेज के अनुसार प्रार्थी महेश जोशी के अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और सीबीआई की ओर से दर्ज परिवाद में उन्हें नामजद ही नहीं किया गया है। इससे पूर्व भी कई बार इस मामले में अनुसंधान हो चुका है, जिसमें जोशी ने पूर्ण सहयोग दिया है। जोशी का नाम 30.10.2024 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से दूसरी बार समान तथ्यों पर दर्ज प्राथमिकी में शामिल किया गया है, जो विधिक रूप से उचित ही नहीं है। अनुसंधान अधिकारी की जांच में प्रार्थी पर किसी अपराध के कारित करने का आरोप भी नहीं है। प्रार्थी व इस मामले में लिप्त अन्य अभियुक्तों पीयूष जैन, पदम चंद जैन और महेश मित्तल से बातचीत होना अनुसंधान में नहीं आया है और ना ही सर्च के दौरान प्रार्थी के आवास से कोई राशि जब्त हुई है। सह आरोपियों की ओर से दिए गए बयानों में द्वेषता से दिए गए बयानों को सही मान कर व दस्तावेज व तथ्यों को नजरअंदाज कर प्रार्थी की गिरफ्तारी हुई है। प्रार्थी पर आरोप है कि उसने दो करोड़ 10 लाख रुपए की रिश्वत ली, जबकि उनके यहां से कोई राशि बरामद ही नहीं हुई। पुत्र की जिन कंपनियों में 50 लाख रुपए की राशि लेना बताया गया है, वह ब्याज रहित ऋृण था, जिसे लौटा भी दिया गया है। प्रार्थी ने मंत्री पद पर रहते हुए कुछ ठेकों को निरस्त कर फर्मों को ब्लेक लिस्ट किया था, जिससे यह अपने अपराध में प्रार्थी को फंसाना चाहते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री पद पर कार्य करने के दौरान विशाल सक्सैना नामक व्यक्ति ने प्रकरण से संबंधित टेंडर पाने के लिए विभाग के उच्चाधिकारियों के नाम का सहारा लेकर कूटरचित दस्तावेज सत्यापित करवाना चाहता था, इस बात की स्वीकृति विशाल सक्सैना ने ईडी को दिए अपने बयान दिनांक 29 सितम्बर 2023 में भी की है, लेकिन ईडी ने अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के स्थान पर प्रार्थी को फसाया। उधर, जमानत याचिका का विरोध करते हुए प्रवर्तन निदेशालय के अधिवक्ता अजातशत्रु मीना ने अदालत को बताया कि आरोपी महेश जोशी ने रिश्वत में मिली राशि का उपयोग संपत्तियों की खरीद में किया।

जांच में पता लगा है कि महेश जोशी के पुत्र रोहित जोशी ने 6 जुलाई 2023 को संजय बड़ाया के माध्यम से एक बड़ी जमीन की मालिक सुमंगलम लैंडमार्क एलएलपी की 80 फीसदी हिस्सेदारी महज एक करोड़ 45 लाख रुपए में हासिल किया। महेश जोशी ने 16 जनवरी 24 को दिए अपने बयानों में भी स्वीकार किया है कि वे अपने बेटे रोहित जोशी की ओर से 2022 के बाद की गई संपत्तियों की खरीद-फरोख्त में पूरी तरह शामिल है।

नौनिहालों को पिलाई जाने लगी विटामिन-ए दवा

● 10जून को शुरू हुआ अभियान 29 को होगा सम्पन्न

चमकता राजस्थान

फलोदी/ अनिल पुष्करणा। बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और रतौंधी सहित अन्य आंखों की बिमारियों से बचाव के लिए जिले में विटामिन-ए पिलाने का अभियान 10 जून से शुरू हुआ, जो 29 जून को संपन्न होगा। इस दौरान नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जायेगी। सीएचएओ डॉ प्रताप सिंह राठौड ने बताया कि विटामिन ए की दवा आंगनबाडी केन्द्र, उपस्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उपजिला अस्पताल एवं जिला अस्पताल पर पिलाई जाएगी। यह खुराक छह माह के अन्तराल से पिलाई जाती है और यह इसका 48 वा चरण है। उन्होनें बताया कि विटामिन-ए आँखों की बिमारियों जैसे रतीर्थी व अंधता से बचाव के साथ साथ बच्चों में शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि के लिए भी आवश्यक है। विटामिन-ए से बच्चों में दस्त एवं निमोनिया आदि बिमारियों के घातक प्रभाव में कमी ला सकती है। विटामिन के जरियें पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्युदर में भी कमी आती है। इस दौरान एक से पाँच साल तक के बच्चों को आंगनबाडी कार्यकर्ता, आंगनबाडी केन्द्र के बच्चों को विटामिन-ए की दो एमएल खुराक पिलाएंगी एव नौ माह से एक वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए की एक एमएल खुराक पिलाई जाएगी। जिन संस्थानों पर आर्गनबाडी केन्द्र नहीं है. वहाँ एएनएम एक से पांच साल तक के बच्चों को यह खुराक पिलाएगी। विटामिन ए का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता, फिर भी एहतियात तौर पर सभी कार्मिकों को सर्तक रहने के निर्देश दिए गए है।

● इसलिए आवश्यक है विटामिन-ए

सीएमएचओ फलोदी डॉ. प्रताप सिंह राठौड ने बताया कि विटामिन ए शरीर में अनेक अंगों को सामान्य रूप से बनाए रखने में मदद करता है जैसे कि त्यथा, बाल, नाखून, ग्रन्थियाँ, दाँत, मसुवा और हड्डी। सबसे महत्वपूर्ण स्थिति जो कि सिर्फ पोषक ए के अभाव में होती है. वह है अंधेरे में कम दिखाई देना, जिसै रतौंधी भी कहते है। इसके साथ आंखों में आंसू की कमी से आँखे सूख जाती है और उनमें घाव भी हो सकता है। बच्चों मैं पोषक ए के अभाव में विकास की गति धिमी हो जाती है, जिसके उनके कद पर असर हो सकता है। त्वचा और बालों में भी सूखापन हो जाता है और उनमें से चमक चली जाती है। संक्रामित बिमारीयाँ होने का की और से निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी।

सरकार अपना रही युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदार रवैया : अशोक गहलोत

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग को लेकर उपजा विवाद सियासी तूल पकड़ता जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मौजूदा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदार रवैया अपना रही है। गहलोत ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री न तो अपने दोनों उपमुख्यमंत्रियों की सुन रहे हैं, ना ही मंत्रियों और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से वादा किया था कि उनकी मांग मानी जाएगी,

जिसके बाद छात्रों ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी, लेकिन अब आरपीएससी ने पर-ीक्षा की तारीख में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे अभ्यर्थी भ्रम की स्थिति में हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से बिना चर्चा किए ऐसा वादा किया? अगर चर्चा की थी तो फिर वादा निभाया क्यों नहीं गया ?

लखेपुरा गांव में भागवत कथा सम्पन्न, पूर्ण आहुति पर हुआ भव्य भंडारा

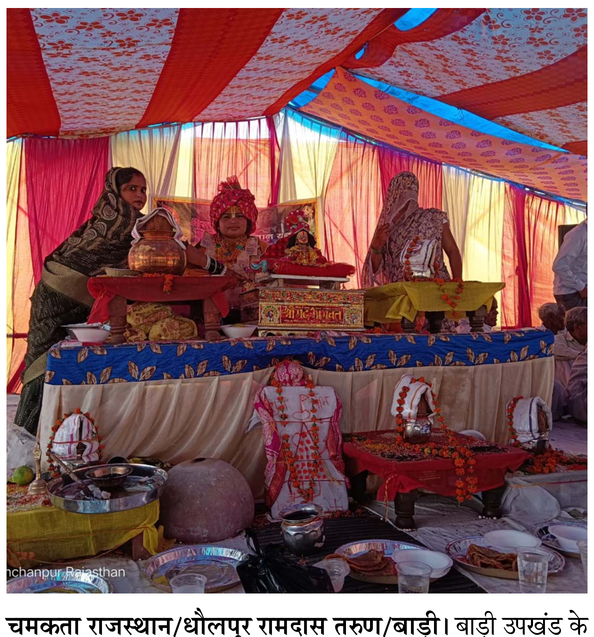

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण/बाड़ी। बाड़ी उपखंड के लखेपुरा गांव में जाटव समाज के द्वारा सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कथा वाचिका व्यास राधिका शास्त्री (गोकुलधाम, वृंदावन झ मथुरा) ने अपने मुखारविंद से श्रीकृष्ण लीला, भक्ति, धर्म, और समाजिक चेतना से जुड़ी शिक्षाएं भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत कीं। कथा के दौरान राधिका शास्त्री ने समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे बाल विवाह, मृत्यु भोज, नशाखोरी पर जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। साथ ही वृक्षारोपण, शिक्षा और सामाजिक एकता जैसे विषयों को भी विस्तार से समझाया। कथा स्थल पर श्रद्धालुजन प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचे और धार्मिक वातावरण में शामिल हुए। समापन दिवस पर पूर्ण आहुति के साथ एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों महिला- पुरुषों और बच्चों ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया। भंडारे की भव्यता और व्यवस्था ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रभावित किया। इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग देने वालों में मंगल सिंह, रामवीर ठेकेदार, रामहेत, रतिराम, कैलाश, रामविलास, रामभरोसी, नत्थीलाल, द्वारिका, सीताराम, सुरेश (गोठियापुरा, उलावटी), कप्तान सिंह एवं ईश्वरी प्रसाद अध्यापक प्रमुख रूप से शामिल रहे।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन मलखान सिंह थेरावर (भरतपुर) द्वारा किया गया। धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक सुधार का यह प्रयास गांववासियों के लिए प्रेरणा बना।

राजयोगी किड्स समर कार्निवल में टोंक के सिद्धार्थ ने जीता गोल्ड मेडल

चमकता राजस्थान

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के एजुकेशन विंग द्वारा संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय में राजयोगी किड्स समर कार्निवल आयोजित किया गया जिसमें देशभर से लगभग सोलह सो बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पेंटिंग, भाषण, मोनो एक्टिंग, स्केटिंग, दौड़, निबंध, डांस जैसी विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें निबंध प्रतियोगिता में टोंक जिले के डारडा हिन्द गांव मे रहने वाले सिद्धार्थ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसका संस्थान के

अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डा. बीके मृत्युंजय भाई जी द्वारा गोल्ड मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में टोंक और निवाई से बीस बच्चे भाग लेने के लिए आबू रोड पहुंचे थे।

ग्रुफ प्रभारी ब्रम्हाकुमारी गुंजन दीदी ने बताया कि बच्चो मे सकारात्मक मुल्यों एवं नेतिक गुणों को विकसित करने के उद्देश्य से हर वर्ष संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय में राजयोगी किड्स समर कार्निवल आयोजित किया जाता है। जिसमें देशभर से आठ से सोलह वर्ष की उम्र के बच्चों को आमंत्रित किया जाता है, जब बच्चे भौतिकता से दूर एक सकारात्मक और आध्यात्मिक माहौल में पहुंचकर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते है तो स्वयं को उस सकारात्मक ऊर्जा में शारीरिक, मानसिक और आत्मिक विकास करने में मदद मिलती है।

उन्हेंने कहा राजयोग मेडिटेशन जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को आत्मिक शांति, एकाग्रता और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है। वहां पर बच्चे देश कि विभिन्न प्रकार की संस्कृति से रुबरु होते हैं।

विभिन्न प्रकरणों का किया अनुमोदन

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में आयोजित हुई कार्यकारी समिति की बैठक, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 13 जून। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जयपुर विकास प्राधिकरण की कार्यकारी समिति की बैठक जेडीए के मंथन सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न एजेंडों पर विचार-विमर्श अनुमोदन प्रदान किया गया।जेडीए जयपुर के जोन-7 क्षेत्र में मिसिंग/शेष सड़कों के निर्माण कार्य हेतु निविदा का अनुमोदन किया गया। यह कार्य दर अनुबंध पर होगा और इसमें विभिन्न सेक्टरों की सड़कों का निर्माण किया जाएगा।जोन-8 में विभिन्न सेक्टरों की सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।जोन-8 के अंतर्गत स्वर्ण विहार, पर्ल रिगिलिया और केसर नगर में पीएचईडी द्वारा जल वितरण नेटवर्क में किए गए रोड कट का नवीनीकरण और जीर्णोद्धार कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।जेडीए क्षेत्र में पार्कों के विकास के लिए संशोधित दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई। जोन-8 में न्यू सांगानेर रोड पर यातायात सुधार कार्य हेतु निविदा स्वीकृति दी गई।स्वर्ण जयंती ऑक्सीजन पार्क विद्याधर नगर, जीरोता पार्क, नेवता जैव विविधता पार्क, और लांगरियावास आनंद वन पार्क के लिए विस्तृत लैंडस्केप परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु सलाहकार को नियुक्ति करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।जेडीए जयपुर

के जोन-1 में मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में प्रमुख सड़कों के नवीनीकरण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।पीआरएन दक्षिण जोन जेडीए में सेक्टर-जी की हाल ही में अनुमोदित कॉलोनियों में बीटी सड़कों का निर्माण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।जेडीए, जयपुर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न आकारों के एसटीपी सांझरिया के लिए मैनहोल निर्माण और सीवरेज जोन-4 में लेटरल सीवर लाइन उपलब्ध कराने और जोड़ने के कार्य हेतु निविदा को मंजूरी दी गई।जेडीए के जोन-14 में बालावाला, लाखना से चंदलाई वाया वाटिका तक 200 फीट/100 फीट सेक्टर रोड के निर्माण कार्य हेतु निविदा को मंजूरी दी गई।जोन-8 में सांगानेर फ्लाईओवर से चोरड़िया पेट्रोल पंप होते हुए मालपुरा गेट के पास तक एलिवेटेड रोड के निर्माण हेतु प्री-बिड मीटिंग के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन प्रदान किया गया।जयपुर शहर के लिए वर्तमान में मास्टर डवलपमेंट प्लान-2025 की निर्धारित अवधि को दो वर्ष या मास्टर डवलपमेंट प्लान-2047 फाइनल होने, जो भी पहले तक बढ़ाने की स्वीकृति दी गई।जोन-6 में मिसिंग लिंक्स और विभिन्न सेक्टरों की सड़कों के निर्माण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।जेडीए क्षेत्र में टी.एस./डीजीपीएस द्वारा सर्वेक्षण कार्य (दर अनुबंध) (2025-2026) हेतु बोली दस्तावेजों का अनुसमर्थन किया गया।जेडीए में 10 लाख रूपये राशि तक के समस्त प्रकार के रिफण्ड के सरलीकरण हेतु वित्तीय शक्तियों के विकेंद्रीकरण हेतु निदेशक/अतिरिक्त आयुक्तों को रिफण्ड स्वीकृति की शक्तियों प्रदान करने का अनुमोदन किया गया है। उक्त प्रक्रिया से रिफण्ड कार्य शीघ्र संपादित सुनिश्चित होगा। उल्लेखनीय है कि अभी तक समस्त रिफण्ड सचिव, जेडीए की स्वीकृति उपरांत किये जाते थे।बैठक में जयपुर शहर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यों की निविदादाओं का अनुमोदन किया गया। जिससे शहर में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी और आमजन/नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक जिला जयपुर के नेतृत्व में जलदाय कर्मचारियों ने किया एक्सईएन कार्यालय पर प्रदर्शन

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक जिला जयपुर के नेतृत्व में जलदाय कर्मियों ने पानी पेच स्थित अधिशासली अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने लंबित 11 सूत्रीय मांग पत्र अधिशासी अभियंता विकास शर्मा को सौंपा और लंबित मांगों का जल्द निराकरण की मांग की। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत ने बताया कि इन मांगो के संबंध में कई अभियंताओं को अवगत करवाया गया, लेकिन समाधान नहीं हुआ। अधिशासी अभियंता की ओर से 15 दिन में समाधान करने का आश्वासन दिया है।

लम्बित प्रकरणों की जांच निर्धारित समय अवधि में करें पूरी : मंजू राजपाल

चमकता राजस्थान/जयपुर! (खलील कुरैशी)। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां

मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55 एवं 57 के तहत लम्बित प्रकरणों की जांच निर्धारित समय अवधि में पूरी कर जांच परिणाम जारी किए जाएं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लम्बित पुराने प्रकरणों के निस्तारण में देरी कर रहे अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। राजपाल शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55, 57 (1) एवं 57 (2) के तहत लम्बित प्रकरणों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने पुराने प्रकरणों के निस्तारण में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी अपनी कार्यशैली में बदलाव लाकर प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करें।स्पष्ट निर्देशों के बावजूद लापरवाही बरत रहे अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल बार-बार नोटिस देकर प्रकरण को लम्बित नहीं रखा जाए। साथ ही, जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट तत्काल सबमिट की जाए।

एसएमएस हॉस्पिटल की इमरजेंसी ओटी में बिजली बोर्ड में हुए शॉर्ट सर्किट से लगी आग, नहीं हुई कोई हानि

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस) के इमरजेंसी में बने ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में शुक्रवार को सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हालांकि गनीमत ये रही कि जिस जगह आग ज्यादा फैली नहीं और जहां लगी वहां मरीज या कोई दूसरा स्टाफ नहीं था। घटना के कारण ओटी में करीब आधे घंटे तक काम रोक दिया। इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर शॉर्ट सर्किट हुए बोर्ड को ठीक करवाया गया। स्टाफ के मुताबिक आग सर्जिकल डिपार्टमेंट की ओटी रूम में लगी। यहां लगे एक पैनल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट के बाद आग लगी और उस चैम्बर में धुआं भर गया। आग का धुआं उठता देख वहां मौजूद गार्ड और अन्य स्टाफ ने बिजली की सप्लाई को आगे से रोक दिया। हालांकि आग ज्यादा फैली नहीं और अपने आप ही बुझ गई। इस दौरान ओटी के बाहर 2 मरीज थे।इस घटना से एक बार तो वहां मौजूद स्टाफ और मरीजों में दहशत हो गई। लेकिन बाद में इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर उसे हिस्से को रिपेयर करवाया और वापस ओटी में काम शुरू करवाया।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्ष: ऐतिहासिक उपलब्धियों का स्वर्णिम अध्याय झ्र सांसद राव राजेन्द्र सिंह

'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम के तहत कोटपुतली में आयोजित प्रेस वार्ता एवं प्रोफेशनल मीट, मोदी सरकार की योजनाओं और राष्ट्र निर्माण पर विस्तृत चर्चा

चमकता राजस्थान।

जयपुर ग्रामीण (खलील कुरैशी) केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'संकल्प से सिद्धि' अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्रसिंह ने गुरुवार को कोटपुतली स्थित आरटीएम होटल में जिला स्तरीय प्रेस वार्ता और प्रोफेशनल मीट को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह ग्यारह वर्ष का कालखंड भारत के लिए परिवर्तन, प्रगति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। भारत अब वैश्विक पटल पर सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में खड़ा है

मोदी युग में भारत बना वैश्विक शक्ति : सिंह

- **हर वर्ग के जीवन में आया बदलाव, मातृशक्ति का सम्मान सर्वोपरि**

सांसद सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने सभी वर्गों के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई और उन्हें धरातल पर उतारा। विशेष रूप से मातृशक्ति के लिए की गई पहलों को उन्होंने ₹सम्मान और स्वावलंबन की क्रांति₹ बताया।शौचालय निर्माण योजना ने महिलाओं को गरिमा दी,उज्ज्वला योजना ने रसोई को धुएं से मुक्त कर स्वास्थ की रक्षा की,महिला आरक्षण बिल ने मातृशक्ति को संसद और विधानसभा तक पहुंचाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाया।

- **गरीबों से लेकर किसानों और युवाओं तक - हर वर्ग को मिला लाभ**

राव राजेन्द्र सिंह ने मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालाः हर गरीब को पक्का मकान देने की योजना आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीबों को मुफ्त इलाज

- **हर घर जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल की उपलब्धता**

डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से युवाओं को रोजगार और नवाचार का अवसर किसानों को सीधी आर्थिक सहायता और तकनीक से जोड़ने की पहल कोरोना काल में सेवा और सुरक्षा की अनूठी मिसाल सांसद सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के समय भारत सरकार ने जन सेवा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। मुफ्त राशन वितरण और मुफ्त वैक्सीनेशन अभियान ने भारत को वैश्विक संकट में भी मजबूत राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत किया।

अहमदाबाद विमान हादसे में श्रद्धांजलि, अन्य कार्यक्रम किए स्थगित प्रेस वार्ता के बाद, अहमदाबाद विमान हादसे की खबर मिलने पर सांसद सिंह ने अपने आगामी कार्यक्रम स्थगित कर दिए और उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ दो मिनट का मौन रखकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी।

- **कार्यक्रम में ये प्रमुख नेता रहे मौजूद**

इस अवसर पर भाजपा के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहेः महासिंह चौधरी (जिलाध्यक्ष, अलवर उत्तर)रमेश रावत (जिला उपाध्यक्ष)गोपाल मोरीजावाला (महामंत्री)यादराम जांगल, धूद्दसिंह शेखावत, बलेश गुर्जर,एड. राजेन्द्र भारतीय, एड. मुकेश चनेजा, महेंद्र सैनी,अरुण सैनी, शशिकांत बौहरा, जयसिंह पायला,राजेन्द्र सिंह शेखावत, विकास डोई आदि।

अलवर में अली हसन (AAO) कार्यालय कृषि विभाग गोविन्दगढ को 3000/- रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

चमकता राजस्थान/जयपुर(खलील कुरैशी) दिनांक 13.06.2025। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी अलवर प्रथम द्वारा आज कार्यवाही करते हुये अली हसन, सहायक कृषि अधिकारी, (AAO) कार्यालय कृषि विभाग गोविन्दगढ को 3000/- रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, के महानिदेशक पुलिस डॉ० रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी अलवर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी द्वारा उसकी पत्नी के नाम से ग्राम बारोली में खाद बीज व दवाईयों की दुकान लाईसेन्सशुदा थी परिवादी द्वारा वर्ष 2024 मे उक्त खाद, बीज के कार्य के लिये कस्बा गोविन्दगढ में दुकान किराये पर लेकर काम शुरू किया गया तथा परिवादी द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर खाद, बीज य दवाई के लाईसेन्स का स्थान परिवर्तन के लिये दिनांक 31.12.2024 को ऑन लाईन आवेदन करने पर उक्त दुकान का कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा भौतिक निरीक्षण कर लाईसेन्स में स्थान परिवर्तन किये जाने के लिये सहायक कृषि पर्यवेक्षक अली हसन कृषि विभाग गोविन्दगढ द्वारा उक्त लाईसेन्स में स्थान परिवर्तन करने के लिये परिवादी से 1000 रूपये रिश्वत लेकर बीज के लाईसेंस में स्थान परिवर्तन कर दिया गया। तथा खाद व दवाई के लाईसेंनस के लिये फिजीकल वैरीफिकेशन कर ऑन लाईन रथान परिवर्तन के लिय स्वयं एवं उच्चाधिकारियो के नाम से 5000/- रूपये की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। शिकायत का सत्यापन करवाये जाने पर आरोपी द्वारा परिवादी से पूर्व में 1000/- रूपये प्राप्त करने तथा 3000/- रूपये की रिश्वत राशि मांग करना स्पष्ट पाया गया। उक्त मांग के क्रम में दौरान ट्रेप कार्यवाही आरोपी अली हसन, सहायक कृषि अधिकारी, (अअड) को रिश्वत राशि प्राप्त करते हुये रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया ए.सी.बी.चौकी अलवर प्रथम ने राहुल कोटकी उप महानिरीक्षक पुलिस चतुर्थ के सुपरवीजन में ए.सी.बी.चौकी अलवर प्रथम के प्रभारी महेन्द्र कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएलओ द्वारा आज ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी अली हसन, सहायक कृषि अधिकारी, (AAO) को परिवादी से 3000/- रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया आरोपी से पुछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-10 में सात बीघा भूमि पर दो अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त, चलाया पीला पंजा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 13 जून। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-10 निजी खातेदारी की करीब 07 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों का पूर्णतः ध्वस्त किया गया। महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम लखेसरा, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, मकान का ढ्ढांचा, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया जेडीए द्वारा जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित खो नागोरियान्, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''नूर कॉलोनी'' के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल, मकान का ढँाचा व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-10 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 185 आज तक कुल 568 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

दो करोड़ रुपये कीमत का 424 किलो गांजे के साथ 5 तस्कर पकड़े

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एम एन के कुशल निर्देशन में एजीटीएफ की बड़ी कार्रवाई:

चाकसू व शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में पकड़ा अवैध मादक पदार्थ से भरा ट्रक और एस्कॉर्ट कर रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 13 जून। राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी सफलता दिलाई है। एजीटीएफ की टीम ने जयपुर दक्षिण के चाकसू थाना क्षेत्र में एक ट्रक से 424 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार करवाया। इससे कुछ समय पहले टीम ने शिवदासपुरा टोल पर नाकाबंदी कर ट्रक को एस्कॉर्ट कर रही एक स्कॉर्पियो समेत गैंग के सरगना सहित तीन जनों को पकड़ लिया था। जब्त किये गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 करोड रुपए आंकी गई है।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एम एन ने बताया कि इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को मादक पदार्थ की तस्करी करते रंगे हाथों पकड़ा गया। जिन्हें थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुमेर मीणा पुत्र रामचन्द्र (48), नानगराम बलाई पुत्र चौथु राम (55), नरेंद्र सिंह जाट पुत्र धर्मपाल (45) और

दीपक गुर्जर पुत्र मोगा राम (38) निवासी खोराबिसल, जयपुर पश्चिम) के साथ-साथ हिमांशू माटा पुत्र प्रेम चन्द (29) निवासी करनाल, हरियाणा के रूप में हुई है। इनके पास से गांजे के साथ-साथ दो वाहन एक ट्रक और एक स्कॉर्पियो भी जब्त किए गए हैं।

● तस्करों के नेटवर्क पर एजीटीएफ का शिकंजा

एडीजी दिनेश एम एन के कड़े निर्देशों के तहत एजीटीएफ की टीम लगातार सक्रिय रह कर इनामी अपराधियों व अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में गठित टीम के सदस्य एएसआई शंकर दयाल शर्मा एवं हेड कांस्टेबल कमल सिंह व शशिकांत को बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से जयपुर में गांजा तस्करी किए जाने की खुफिया सूचना मिली थी।पुलिस निरीक्षक सुभाष सिंह के कुशल नेतृत्व में एजीटीएफ की 17 सदस्यीय टीम ने इस सूचना को तकनीकी संसाधनों और गहन आसूचना संकलन के माध्यम से विकसित किया गया, जिसके बाद इस बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया। इस कार्रवाई ने राज्य में नशे के कारोबारियों पर नकेल कसने के एजीटीएफ के इरादों को और मजबूत किया है।

● शिवदासपुरा टोल पर पकड़ी एस्कोर्ट कर रही स्कार्पियो

छत्तीसगढ़ से मिनी ट्रक में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ तस्करी कर लाये जाने की पुख्ता सूचना पर एजीटीएफ की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिल कर शिवदासपुरा टोल पर नाकाबन्दी कर तेज गति से आ रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी को रुकवाया गया। जिसमे तीन व्यक्ति सुमेर मीणा, नरेंद्र और नानग राम सवार थे। जिन्होंने पीछे आ रहे एक मिनी ट्रक को एस्कॉर्ट करना बताया।

● चाकसू में पकड़ा अवैध मादक पदार्थ से भरा ट्रक

ट्रक में अवैध मादक पदार्थ गांजा की बड़ी खेप थी। दोनों गाड़ियां जीपीएस से कनेक्ट थी, इस वजह से स्कॉर्पियो पकड़े जाने का अंदेशा होते ही ट्रक चालक दीपक और हिमांशु चाकसू इलाके में ट्रक को रोक खेतों में होकर भागने लगे, इन दोनों को भी एजीटीएफ की टीम ने स्थानीय थाना पुलिस को साथ लेकर घेर कर पकड़ लिया।

● दवाइयां की आड़ में छत्तीसगढ़ से की जा रही थी तस्करी

टीम ने ट्रक की तलाशी ली तो उसमें दवाइयां के बॉक्स रखे हुए थे, जिसकी आड़ में आरोपी तस्कर नशे की तस्करी कर रहे थे। इस गैंग का सरगना सुमेर मीणा है। जो पहले भी दो बार छत्तीसगढ़ से मादक पदार्थ तस्करी कर जयपुर लेकर आया था, तीसरी बार एजीटीएफ की सतर्कता से पकड़ा गया। गिरोह का सरगना सुमेर मीणा खुद आगे रहकर स्कॉर्पियो से ट्रक को छत्तीसगढ़ से ही एस्कॉर्ट कर रहा था।

टीम का सराहनीय योगदान

इस पूरी कार्रवाई में एएसआई शंकर दयाल शर्मा और हैड कांस्टेबल कमल सिंह और शशिकांत की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने सूचना संकलन और ऑपरेशन को अंजाम देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार, नरेंद्र सिंह, मदन लाल, अरुण कुमार, कांस्टेबल नरेश कुमार, रतिराम, बृजेश शर्मा, संदीप, सुरेश, हरीश, राजवीर और चालक सुरेश कुमार का भी सराहनीय सहयोग रहा। इस कार्रवाई में एसएचओ चाकसू मनोहर लाल मय टीम एवं थाना शिवदासपुरा से उप निरीक्षक लेखराज व कांस्टेबल मेघराज मय टीम शामिल थे।एजीटीएफ की इस कार्रवाई से नशे के खिलाफ राजस्थान पुलिस के अभियान को एक नई गति मिली है। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे ताकि राज्य को मादक पदार्थों से मुक्त किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

108 कुंडीयें यज्ञ में मंत्री खर्रा सहित 2.66 लाख आहुतियां,

● बड़ी संख्या में यज्ञ स्थल पहुंचे श्रद्धालु,

चमकता राजस्थान/जयपुर/नीमकाथाना! (खलील कुरैशी)। पीला जोहड़ा तपोभूमि पर चल रहे श्रीराम 108 कुंडात्मक महायज्ञ का शुक्रवार को दूसरा दिन श्रद्धा और भक्ति से सराबोर रहा। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ स्थल पहुंचे और आहुतियां देकर पुण्य लाभलिया। यज्ञाचार्य डॉ. कृष्ण शर्मा जसवंतपुरा के निर्देशन में 141 विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 108 जोड़ों से 2 लाख 66 हजार आहुतियां दिलवाई। यज्ञ घुघाड़ी धाम के महंत अवध बिहारीदास, नरसीदास व मोहनदास महाराज के सान्निध्य में चल रहा है। श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञ में नवयुवक मंडल सेवा में जुटा नजर आया। यज्ञ में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शिरकत कर यज्ञ में आहुति दी। इस दौरान पीला जोहड़ा 500 वर्ष पुराना बताया गया है। मंदिर में प्रसिद्ध खनन उद्योगपति दौलतराम गोयल भी यज्ञ में पहुंचे, जहां समिति ने उनका भी स्वागत किया।

फेक SBI REWARDZ ऐप से सावधानः राजस्थान पुलिस ने जारी की साइबर धोखाधड़ी की चेतावनी

चमकता राजस्थान/जयपुर! (खलील कुरैशी) 13 जून। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने एक गंभीर साइबर धोखाधड़ी को लेकर आम जनता को सचेत किया है। अपराधी अब ₹रइकफ्एहअफ्ळे स्त्र‘₹ नाम का एक नकली ऐप बनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उनकी निजी और वित्तीय जानकारी खतरे में पड़ रही है। यह फर्जी ऐप व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैलाया जा रहा है।

● फेक ऐप कैसे करता है काम

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी₹रइकफ्एहअफ्ळेस्त्र‘₹ नाम से एक खतरनाक एंड्रॉयड मैलवेयर तैयार कर रहे हैं, जिसे व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा है। जैसे ही कोई व्यक्ति इसे डाउनलोड कर इंस्टॉल करता है, यह ऐप चुपचाप बैकग्राउंड में काम करने लगता है। यह उपयोगकर्ता के एसएमएस, कॉन्टैक्ट्स और ऐप नोटिफिकेशन्स को पढ़ता है और सारी जानकारी गूगल के फायरबेस (Firebase) प्लेटफॉर्म पर एक असुरक्षित सर्वर को भेज देता है। इसका मुख्य उद्देश्य क्रेडिट/डेबिट कार्ड का पूरा विवरण (कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन), पैन (ढअठ) नंबर और अन्य व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी चुराना है। इस चोरी किए गए डेटा का इस्तेमाल बाद में वित्तीय धोखाधड़ी या अन्य साइबर अपराधों के लिए किया जाता है। साइबर क्राइम शाखा ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए कुछ बातों का ध्यान रखेंः हमेशा रहें सतर्कः रइकफ्एहअफ्ळेऐप को केवल गूगल प्ले स्टोर से ही डाउनलोड करें। व्हाट्सएप, टेलीग्राम या किसी अन्य सोशल मीडिया लिंक से मिलने वाली एपीके (अढङ) फाइल को डाउनलोड करने से बचें। तुरंत करें अनइंस्टॉलः यदि गलती से कोई भी संदिग्ध अढङ फाइल वाला ऐप इंस्टॉल हो गया है, तो उसे तुरंत अनइंस्टॉल कर दें। शिकायत करना ज़रूरीः यदि आप इस प्रकार की धोखाधड़ी के शिकार होते हैं, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें, या https://cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। आप अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर पुलिस स्टेशन में भी रिपोर्ट कर सकते हैं।राजस्थान पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधी लगातार अपनी रणनीति बदल रहे हैं, इसलिए आम जनता को भी ऑनलाइन खतरों के प्रति जागरूक और सतर्क रहना बेहद ज़रूरी है। अपनी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को सुरक्षित रखकर ही हम इन धोखेबाजों से बच सकते हैं।

55 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर.

जयपुर डिस्कॉम उपभोक्ताओं को देगा जमा राशि पर ब्याज

● जुलाई के बिलों में एडजस्ट होंगे 95 करोड़ 42 लाख रु.

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) राजस्थान के 55 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहतभरी खबर है। जयपुर डिस्कॉम ने अपने उपभोक्ताओं की जमा अमानत राशि पर ब्याज देने का निर्णय लिया है। इससे करीब 95 करोड़ 42 लाख रुपए का लाभउपभोक्ताओं को मिलेगा। यह राशि जुलाई 2025 के बिजली बिलों में समायोजित की जाएगी यानी उपभोक्ताओं को उतनी राशि बिल में छूट के रूप में मिलेगी।जयपुर डिस्कॉम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने बताया कि यह निर्णय राजस्थान राज्य विद्युत विनियामक आयोग के निर्देशानुसार लिया गया है। आयोग के नियमानुसार बिजली कंपनियों को उपभोक्ताओं से उनके दो महीने के औसत बिजली उपभोग के बराबर राशि बतौर सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में लेनी होती हैऔर इसी राशि पर कंपनियों को हर साल बैंक की ब्याज दर के मुताबिक ब्याज देना होता है।डोगरा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए बैंक ब्याज दर 6.75 प्रतिशत तय की गई है। उसी के अनुसार जयपुर डिस्कॉम की ओर से उपभोक्ताओं को ब्याज स्वरूप कुल 95 करोड़ 42 लाख की राशि दी जा रही है।

● ई-मेल और एप से मिलेगी जानकारी

डिस्कॉम ने यह भी स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को ब्याज समायोजन की जानकारी उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेजी जाएगी। साथ ही, उपभोक्ता बिजली मित्र मोबाइल एप पर भी यह जानकारी देख सकेंगे। यदि किसी उपभोक्ता को लगे कि उसके बिल में दिख रही अमानत राशि और असल में जमा की गई राशि में अंतर है तो वह अपने नजदीकी सहायक अभियंता कार्यालय में संपर्क कर सकता है।

● उपभोक्ताओं के लिए दोहरी राहत

इस योजना से उपभोक्ताओं को दो तरह की राहत मिलेगी। एक तो ब्याज की राशि का सीधा लाभ मिलेगा, जो बिजली बिल कम कर देगा। दूसरा, यह पारदर्शिता दर्शाता है कि डिस्कॉम उपभोक्ताओं की जमा राशि को सुरक्षित रखते हुए उस पर उचित लाभ दे रहा है। इससे बिजली उपभोक्ताओं का भरोसा भी मजबूत होगा और उनके बजट पर भी कुछ राहत मिलेगी, खासकर उस समय जब गर्मी के कारण बिजली की खपत बढ़ी हुई होती है।

● छीजत कम करने पर जयपुर डिस्कॉम का फोकस

दूसरी ओर, जयपुर डिस्कॉम अब बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए उच्च छीजत (एटी एंड सी लॉसेज) वाले क्षेत्रों पर विशेष फोकस कर रहा है। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा के निर्देश पर 18 चिन्हित सब डिविजनों में विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने की कार्य योजना तैयार की गई है। विद्युत भवन में शुक्रवार को इन क्षेत्रों के सहायक अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक हुई, जिसमें डोगरा ने प्रत्येक क्षेत्र के लिए छीजत कम करने की व्यवस्थित योजना मांगी। उन्होंने कहा कि जहां वितरण हानियां 30 प्रतिशत से अधिक है, वहां मासिक समीक्षा की जाएगी। मुख्य उपायों में ओवरलोड फीडरों का विभाजन, डिफेक्टिव मीटरों की जगह नए मीटर, एबी केबलिंग, विद्युत चोरी रोकने के प्रयास और ट्रांसफार्मर अपग्रेडेशन जैसे कदम शामिल है। यह पहल बसेड़ी, कामां, नगर, महुवा, बहरोड़, टोंक सहित 18 सब डिविजनों में शुरू की जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्वाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

राजस्थान विधान सभा में सामूहिक योग 16 जून को

● देवनानी के सानिध्य में विधायक, विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी करेंगे योग आसन

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी)। राजस्थान विधान सभा में सोमवार को प्रातः 6:00 बजे सामूहिक योग का आयोजन होगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के सानिध्य में विधायकगण, विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी योग आसन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग दिवस को 100 दिन पूर्व से मनाये जाने के आव्हान पर राजस्थान विधान सभा में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है ताकि जन सामान्य में जागृति पैदा हो सके। देवनानी ने कहा कि योग सनातन की महान विरासत है। इसे जन-जन का एक अभिन्न अंग बनाने के लिये लोगों को योग के प्रति जागरूक करना होगा। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इण्डियन

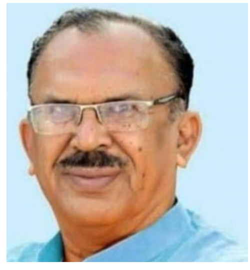

योगा एसोसिएशन और क्रीडा भारती के सहयोग से राजस्थान विधान सभा के उत्तरी द्वार के समीप सामूहिक योग का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस योग कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के योग प्रोटोकॉल के अनुरूप आसन, प्राणायाम और ध्यान कराया जायेगा।देवनानी ने कहा कि योग, दुनिया के लिए भारत की देन है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। वर्तमान में 193 सदस्य देशों में योग दिवस मनाया जाता है। देवनानी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना के लिए भारत द्वारा तैयार किये गये प्रस्ताव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा था कि योग हमारी प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है।देवनानी ने बताया कि इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग भारत के लोगों द्वारा शुरू किया जाने वाला शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसे अब दुनियाभर में मनाया जा रहा है। योग केवल व्यायाम ही नहीं बल्कि यह स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना को खोजने का एक तरीका है। देवनानी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एक ऐसा उत्सव है जो प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी को महत्व देता है।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल की छापेमारी के बाद भ्रष्टाचार के तंत्र में शामिल अफसरों की खुली पोल

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)!प्रदेश में नकली खाद और घटिया बीज का बड़ा घोटाला उजागर होने के बाद कृषि विभाग में बड़ी कार्रवाई हुई है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की छापेमारी के बाद राज्य सरकार ने 11 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इन पर ड्यूटी में गंभीर लापरवाही और नकली खाद बनाने वाली कंपनियों से मिलीभगत के आरोप हैं।पिछले 14 दिन में किशनगढ़ (अजमेर), श्रीगंगानगर और जयपुर में 42 कंपनियों पर छापेमारी के बाद अब कृषि विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। दरअसल 29-30 मई को अजमेर जिले के किशनगढ़ में नकली डीएपी, एनपीके, एसएसपी और एमओपी खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर कृषि मंत्री ने छापा मारा था। इन फैक्ट्रियों में बने नकली उत्पाद राज्य के साथ-साथ 15 से अधिक राज्यों में भी भेजे जा रहे थे। हैरानी की बात यह है कि इन फैक्ट्रियों का 30 दिसंबर, 2024 को कृषि विभाग की ओर से निरीक्षण किया गया था, लेकिन अफसरों ने गोरखधंधे पर कोई कार्रवाई नहीं की और रिपोर्ट दबा दी गई।

कृषि विभाग के 11 अफसर सस्पेंड, विभागीय विधिक जांच शुरू

42 फैक्ट्रियों पर हुई कार्रवाई

» कृषि मंत्री ने छापेमारी के दौरान 3-4 जून को श्रीगंगानगर में घटिया बीज बनाने वाली 14 कंपनियों को सील किया। इस दौरान अधिकारियों की संदिग्ध कार्यप्रणाली सामने आई, जिसके आधार पर जल्द ही और कार्रवाई की संभावना है। वहीं, 11 जून को जयपुर के बगरू और वीकेआई क्षेत्र में कीटनाशक निर्माता कंपनियों पर छापेमारीकी गई। एडवांस एग्रो लाइफ लिमिटेड, इंडोफिल, उदित एग्रो इंडस्ट्रीज, श्रीराम कृषि रसायन और न्यू केम एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के गोदामों में भारी अनियमितताएं पाई गई। श्रीराम कृषि रसायन में भारत सरकार की ओर से प्रतिबंधित घातक रसायन फोरेट की भारी मात्रा बरामद हुई। इन सभी गोदामों को सील कर कीटनाशक

कृषि विभाग के इन अधिकारियों पर गिरी गाज

मंत्री की सिफारिश पर तत्कालीन उप निदेशक बंशीधर जाट, सहायक निदेशक ज्वाला प्रताप सिंह, गोविंद सिंह, मुकेश कुमार चौधरी, कृषि अधिकारी राजवीर ओला, सौरभ गर्ग, मुकेश माली और कैलाश चंद्र शर्मा को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इन अफसरों के निलंबन के साथ ही उनका मुख्यालय कृषि आयुक्तालय, जयपुर कर दिया गया है। इसी तरह जयपुर में गोदामों पर छापेमारी के दौरान कृषि मंत्री के आदेश पर कार्रवाई नहीं करने पर सहायक निदेशक लोकेन्द्र सिंह, कृषि अधिकारी सुनील कुमार बरडिया और प्रेम सिंह को भी निलंबित किया गया है। इन अधिकारियों पर शिकायत के बावजूद आदान निरीक्षकों को जब्ती के लिए मौके पर नहीं भेजने का आरोप है। हालांकि अभी श्रीगंगानगर में गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई शेष है।कानून, 1968 के तहत सख्त कार्रवाई शुरू की गई है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि किसानों को नकली खाद, बीज और कीटनाशकों से बचाने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। छह महीने पहले कृषि आयुक्तालय के गठित जांच दलों ने इन कंपनियों को क्लीन चिट दी थी।छापेमारी में प्रतिबंधित खतरनाक रसायन 'फोरेट' भारी मात्रा में जब्त

रणथंभौर में टाइगर ने मचा रखा आतंकः फलोदी रेंज में हुआ एग्रेसिव

चमकता राजस्थान

जयपुर/ सवाई माधोपुर (खलील कुरैशी) रणथंभौर की फलोदी रेंज में शुक्रवार दोपहर बाघ ने दो लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। टाइगर ने पहले एनीकट के पास खड़े वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक के पैर पर काटा, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान उन्हें बचाने आए फॉरेस्ट गार्ड के मुंह पर झपट्टा मार उसे भी लहूलुहान कर दिया। दोनों का हॉस्पिटल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार दोनों दूमोदा गांव में एक ग्रामीण के घर की तारबंदी देखकर लौट रहे थे।सवाई माधोपुर शहर निवासी वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक सीताराम सैनी ने बताया कि वे दूमोदा गांव में सियाराम पुत्र रामसहाय गुर्जर की तारबंदी देखकर लौट रहा था। इसी दौरान फलोदी रेंज के कैलाशपुरी तालाब के पास टाइगर को देखने आए लोगों की भीड़ दिखी। वे भी एनीकट के पास रुके, तभी टाइगर आया और उनके पैर पर काट खाया। इस बीच सीताराम को बचाने के लिए भीड़ में खड़ा फॉरेस्ट गार्ड बाबूलाल आया, तो टाइगर ने उसको भी मुंह पर झपट्टा मा-रकर घायल कर दिया। वन विभाग की टीम ने उन दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों का उपचार चल रहा है।हमलावर बाघिन टी-8 या टी-108 में से कोई हो सकती हैः अउऋ
फलोदी रेंज एसीएफ योगेश कुमार का कहना है कि फिलहाल किस टाइगर ने हमला किया है, यह पता नहीं लग सका है। हालांकि, इस इलाके में बाघिन टी-8 और बाघिन टी-108 का मूवमेंट रहता है। ऐसे में संभावना है कि दोनों में से किसी एक ने एग्रेसिव होकर हमला किया है।

बाघ ने सुपरवाइजर और फॉरेस्ट गार्ड पर किया हमला,घायल

टाइगर, जिसने हमला किया।

घायल वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक सीताराम।

घायल फॉरेस्ट गार्ड बाबूलाल।

बाघ का लगातार मूवमेंट, फिर भी वन विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं

» बता दें, कैलाशपुरी एनीकट पर पिछले कई माह से टाइगर का मूवमेंट रिकॉर्ड किया गया है। यहां ग्रामीणों के टाइगर के साथ सेल्फी लेने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके बाद भी वन विभाग की ओर से कार्रवाई नहीं की गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह भी घटना से पहले एक व्यक्ति टाइगर के साथ सेल्फी लेता और वीडियो बनाते हुए दिखाई दिया था। फिर भी, विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में पर्यटन पर तुरंत प्रभाव से लगायी आंशिक रोक

रणथंभौर टाइगर रिजर्व के जोन नंबर 5 में वन विभाग ने पर्यटन गतिविधियों पर रोक लगा दी है। डीएफओ रामानंद भाकर ने बताया कि जोन नंबर 5 में रास्ते बहुत ज्यादा खराब हैं। ड्राइवरों ने इसकी शिकायत वन विभाग से की थी। इन रास्तों को सही करने के लिए जोन नंबर 5 में पर्यटन गतिविधियों पर रोक लगाई गई है। शुक्रवार शाम से लगाई गई यह रोक आगामी आदेश तक के लिए लगाई गई है।रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बाघ-मानव संघर्ष की घटनाओं के बाद वन विभाग ने बाघिन टी-84 (एरोहेड) के तीनों सब-एडल्ट शावकों को अलग-अलग टाइगर रिजर्व में शिफ्ट करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। बाघिन एरोहेड की मादा शावक अन्वी को भिड़ एनक्लोजर में भेजे जाने के बाद नर शावक को कैलादेवी अभयारण्य के एनक्लोजर में शिफ्ट कर दिया गया। अब उसकी मादा शावक, जो कि अन्वी की बहन है, को जल्द ही रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व भेजा जाएगा। इस मादा शावक पर अभी तक कि सी मानव हत्या का आरोप नहीं है, इसलिए इसे रामगढ़ विषधारी में खुले जंगल में छोड़ा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राजस्थान यूनिवर्सिटी में एडमिशन की डेट बढ़ी,16 जून तक कर सकेंगे आवेदन

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) राजस्थान यूनिवर्सिटी (आरयू) के संगठक कॉलेजों में ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन के आवेदन की तारीख को 4 दिन आगे बढ़ा दिया है। अब स्टूडेंट्स 16 जून तक राजस्थान यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। इसके बाद 17 और 18 जून तक स्टूडेंट्स अपने फॉर्म में करेक्शन कर सकेंगे। इससे पहले 11 जून आवेदन की आखिरी तारीख निर्धारित की गई थी। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से काफी स्टूडेंट्स ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाए थे। जिसके बाद अब यूनिवर्सिटी प्रशासन ने फिर से आवेदन की प्रक्रिया को शुरू किया है। दरअसल, राजस्थान यूनिवर्सिटी और इसके चार संघटक कॉलेजों में कुल 6010 सीटें हैं। महारानी कॉलेज में

- **राजस्थान कॉलेज में 2 शिफ्ट में कुल 960 सीटें**

सबसे ज्यादा 2530 सीटें हैं। महाराजा कॉलेज में 1020 सीटें हैं। कॉमर्स कॉलेज में 1500 और राजस्थान कॉलेज में 960 सीट हैं। इन सीटों में बीबीए, बीसीए, ऑनर्स और एसएफएस की सीटें शामिल हैं।

- **छात्रों को मिल सकता है अतिरिक्त वैटेज**

यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को 12वीं में अच्छे अंकों के साथ-कॉमर्स कॉलेज में बीकॉम की 420 सीटें, बीकॉम बिजनेस एड में 60, बीकॉम ईएएफएम में 60, बीसीए में 120, बीबीए में 120 और बीकॉम आरओएम में 60 सीटें हैं। राजस्थान कॉलेज में मॉर्निंग और इवनिंग शिफ्ट में कुल 960 सीटें हैं। महारानी कॉलेज में बीएससी बायो और मैथ्स ग्रुप में 720 सीटें हैं, बीएससी ऑनर्स बॉटनी में 30, मैथ्स में 30, सांख्यिकी में 60, फिजिक्स में 30, जूलॉजी में 30 और बीसीए में 120 सीटें हैं।साथ एनसीसी, एनएसएस और खेलगतिविधियों में भाग लेने पर 1 से 4 त्न तक का वैटेज दिया जाता है। इसमें 6 कैटेगरी के लिए अलग-अलग फीसदी अंक निर्धारित किए गए हैं। हालांकि अगर किसी छात्र छात्रा ने दो साल में 240 घंटे की सेवा की है और आरडी परेड दिल्ली, नेशनल यूथ फेस्टिवल, नेशनल इंटीग्रेशन कैंप, एडवेंचर कैंप का प्रमाण पत्र है, तो उन्हें 4त्न तक का वेटेज मिलेगा।

केविन डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी छोड़ने के बाद नापोली के साथ किया करार

मिलान। बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर केविन डि ब्रून ने इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी से विदाई लेने के बाद अब इटली के क्लब नापोली से करार कर लिया है। नापोली के अध्यक्ष और फिल्म निमार्ता ऑरेलियो डी लॉरेंटिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर डि ब्रून के साथ हाथ मिलाते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा, स्वागत है, केविन। सूत्रों के मुताबिक, 33 वर्षीय डि ब्रून ने नापोली के साथ दो साल का अनुबंध साइन किया है, जिसमें एक साल का अतिरिक्त विकल्प भी शामिल है। वह यहां अपने अंतरराष्ट्रीय साथी रोमेलू लुकाकू और पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड मिडफील्डर स्कॉट मैकटॉमिने के साथ खेलते नजर आएंगे। डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी के साथ छह प्रीमियर लीग खिताब और 2023 में यूईएफए चैंपियंस लीग सहित कई ट्रॉफियां जीतीं। पेप ग्वार्डियोला के नेतृत्व में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पिछले दो सत्रों में वह दो हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण कई मुकाबलों से बाहर रहे। नापोली ने उन्हें यूरोप के शीर्ष मिडफील्डरों में से एक के रूप में अपनी टीम में शामिल किया है। टीम अगले सत्र में न केवल सेरी ए खिताब की रक्षा करेगी, बल्कि विस्तारित चैंपियंस लीग में भी भाग लेगी। एंटोनियो कॉन्टे के कोच रहते हुए नापोली ने इंटर मिलान को अंतिम दिन पछाड़कर सेरी ए खिताब अपने नाम किया था। यह पिछले तीन वर्षों में क्लब का दूसरा लीग खिताब है। गौरतलब है कि इस बार नापोली के पास कोई यूरोपीय टूर्नामेंट नहीं था, जबकि इंटर चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन से 5-0 से हार गया था।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम, ललथनतलुआंगी और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मैरी गोएन्स और मार्टे मैरी ने गोल किए।
मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

14 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की। 37वें मिनट में मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए पहला गोल किया और फिर 40वें मिनट में मार्टे मैरी ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। चौथे क्वार्टर में जब खेल खत्म होने में केवल 9 मिनट बाकी थे, तब कनिका सिवाच ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम की जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम पर लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद अब भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप दौरे में अगला मुकाबला 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार

ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारतीय पुरुष और महिला टीमें

17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी

लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा।
फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें।

लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी। इसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी।भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हमारे लिए बेहद जरूरी है।
इससे हमें न केवल जरूरी अंक मिलेंगे, बल्कि टीम को जीत की लय भी मिलेगी।
पिछली चार भिड़ंतों में हम बेहद करीबी मुकाबलों में हारे हैं, लेकिन अब हम इस क्रम को तोड़ना चाहते हैं और जीत की राह पर लौटना चाहते हैं। एफआईएच प्रो लीग के इन अहम मुकाबलों में दोनों भारतीय टीमें जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेंगी।

सिफ्त कौर समरा ने किया एसएलआई का समर्थन

कहा-शूटिंग क्रांति के लिए यह सही समय

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब की 23 वर्षीय शूटिंग स्टार सिफ्त कौर समरा ने भारत की पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) को देश में इस खेल के लिए एक गेम-चेंजर बताया है। एशियाई खेलों 2022 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में विश्व रिकॉर्ड 469.6 अंक बनाकर इतिहास रचने वाली सिफ्त को उम्मीद है कि यह लीग न केवल शूटर्स, बल्कि फैन्स और भविष्य की प्रतिभाओं के लिए भी एक नया मंच तैयार करेगी।
सिफ्त ने कहा, भारतीय शूटिंग में ऐसा पहली बार हो रहा है और मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा कदम है। आज भी लोग शूटिंग को लेकर बहुत कुछ नहीं जानते। लीग फॉर्मेट इस खेल को दर्शकों के करीब लाएगा और हमें शूटर के तौर पर एक नया प्लेटफॉर्म देगा–प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भी और व्यक्तिगत तौर पर भी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जस्टिन एंगेल ने रचा इतिहास

एजेंसी

स्टटगार्ट। जर्मनी के शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को 6-2, 7-6(7) से हराकर स्टटगार्ट ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट विंबलडन की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। फ्रेंच ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करने वाले ज्वेरेव ग्रास कोर्ट पर अब तक संघर्ष करते आए हैं और उन्होंने अभी तक इस सतह पर कोई खिताब नहीं जीता है।

ज्वेरेव बोले - जीत ही सबसे अहम

28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे सेट में मौटे ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, टाईब्रेकर में ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। उन्होंने कहा, मैं 6-2, 6-2 से जीतना पसंद करता, लेकिन मैच में ऐसा नहीं चुन सकते। जीत सबसे अहम होती है और मैं खुश हूं कि कल फिर खेलने का मौका मिलेगा।

ऑगर-अलियासिम की वापसी, एंगेल का धमाका

कनाडा के चौथे वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने जियोवानी म्पेची पेरिकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह जीत उनके लिए 2022 के बाद पहली ग्रास कोर्ट जीत है। अब उनका मुकाबला जर्मनी के 17 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जस्टिन एंगेल से होगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025: जीत को लेकर आत्मविश्वास से भरा है दक्षिण अफ्रीका

लॉर्ड्स टेस्ट में गेंदबाजों का बोलबाला, लेकिन बेडिंघम बोले - हम जीत सकते हैं

एजेंसी

लंदन। लॉर्ड्स में खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुश्किल स्थिति के बावजूद दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत की पूरी उम्मीद है। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम ने कहा कि टीम ड्रेसिंग रूम में पूरा आत्मविश्वास है कि वे जो भी लक्ष्य मिलेगा, उसे हासिल कर सकते हैं।
बेडिंघम ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में सर्वाधिक 45 रन बनाए थे, लेकिन टीम महज 138 रन पर ढेर हो गई।

यह एक बेहतरीन मौका है: बेडिंघम

बेडिंघम ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत मौका है। और हम सभी इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह किसी भी तरफ जा सकता है, लेकिन हमारी टीम में बहुत विश्वास है। हालांकि पहले दो दिन में 28 विकेट गिर चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि गेंदबाजों का वर्चस्व रहा है और दक्षिण अफ्रीका के लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा।उन्होंने आगे कहा, जब आपके पास छह क्वालिटी सीम गेंदबाज हों और पिच चुनौतीपूर्ण हो, तो बल्लेबाजी कठिन हो जाती है। लेकिन मुझे लगता है कि विकेट अब थोड़ा धीमा हो गया है और गेंद की धार भी कम हो गई है। उम्मीद है कि चौथी पारी में गेंद सीधे आए और हम रन बना पाएं।

'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान'

अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने जल संरक्षण के महत्व को गांव गांव तक पहुंचाने के दिए निर्देश

जल संचय संरचनाओं का निर्माण, साफ-सफाई, पुनरूद्धार, पौधारोपण सहित अन्य कार्यों में प्रगति के दिए निर्देश

अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निष्पादन कर कार्यक्रम को सफल बनाएं : जिला कलक्टर

चमकता राजस्थान

फलौदी/ अनिल पुष्करणा। वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान' को लेकर जिला कलक्टर एच.एल अटल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने विभागवार आयोजित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कुशलतापूर्वक कार्य करने व अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां की जा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को किया निर्देशित, जिला,ब्लॉक व ग्राम स्तर पर होगा योगाभ्यास

जिला कलक्टर ने बिंदुवार आयोजित कार्यक्रमों को लेकर विभागों की अब तक की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अभियान को सफल बनाने हेतु पूर्ण गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही प्लास्टिक उपयोग से बचने, वेस्ट मैनेजमेंट, जागरूकता गतिविधियों, साफ-सफाई कार्य सहित अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपखंड स्तर पर भी अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएसआर एवं भामाशाहों के माध्यम से जल संरक्षण के कार्य करवाएं। भामाशाहों से मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 समिति के पंजाब नेशनल बैंक नेहरू पैलेस, जयपुर बैंक खाता संख्या में 4064002100022603 में सहयोग कर जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिलवाएं।

जिला कलक्टर ने आगामी 20 जून तक सभी विभागों को अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाकर जल संरक्षण के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। सभी विभाग अपने ब्लॉक एवं पंचायत स्तरीय कार्यालयों में भी साफ-सफाई, वृक्षारोपण, पक्षियों हेतु परंडे बांधने सहित अन्य श्रमदान एवं जल व पर्यावरण संरक्षण संबंधित जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करें।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को फलोदी दुर्ग में जिला स्तरीय योगाभ्यास :-

» जिला कलक्टर ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिला,ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यक्रमों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय कार्यक्रम फलोदी दुर्ग में आयोजित होगा। जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारी फलौदी को कार्यक्रम की सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । इसी प्रकार खीचन में आयोजित होने योगाभ्यास के लिए एसीईओ फलौदी को समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए अंतरास्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित वाले कार्यक्रमों में भागीदार बनने तथा योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर अजय सहित सभी उपखंड अधिकारी,विकास अधिकारी व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

लघुकथा शोधकेंद्र, भोपाल का स्थानीय केंद्र जयपुर में भी खुलेगा

चमकता राजस्थान/जयपुर। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल की राष्ट्रीय निदेशक डॉ. काँता रॉय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि जयपुर में लघुकथा विधा के लेखन एवं नए लेखकों के प्रोत्साहन हेतु लघुकथा शोधकेंद्र, भोपाल का स्थानीय केंद्र जयपुर में भी खोलने का निर्णय लिया गया है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं लघुकथा के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. प्रबोध कुमार गोविल के संरक्षण व मार्गदर्शन में यह केंद्र विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। इस क्रम में डॉ. कांता रॉय की सहमति से डॉ. गोविल के निर्देशन में कार्यकारिणी का गठन किया गया है जिसमें डॉ. कविता माथुर संयोजक, टीना शर्मा सह-संयोजक होंगी। डॉ. नेहा पारीक सचिव, साकार श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी व अरुण ठाकर को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस केंद्र का स्थानीय निदेशक श्री दयाराम वर्मा को बनाया गया है। शीघ्र ही स्थानीय लघुकथा केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा।

डॉ. कविता माथुर ने जानकारी देते हुए बताया कि इसका उद्देश्य लघुकथा विधा के राजस्थान के वरिष्ठ साहित्यकारों को जोड़कर उनके अनुभवों का लाभ नव साहित्यकारों तक पहुँचाना, कॉलेज व स्कूल स्तर पर साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से नयी प्रतिभाओं की खोज तथा उनका विकास कर प्रोत्साहित करना, स्थानीय साहित्यकारों को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध करवाना है। लघुकथा पर वर्ष में चार कार्यक्रम किये जाने की योजना है।

वर्तमान में शोधकेंद्र, भोपाल के दिल्ली, इंदौर, खण्डवा , रतलाम, अहमदनगर, बुरहानपुर व रीवा केंद्र लघुकथा संवर्धन में रत हैं।

वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत जिला स्तरीय सीएसआर की बैठक, कार्यशाला का आयोजन 14 जून को

चमकता राजस्थान/फलौदी/ अनिल पुष्करणा। वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान से अधिक से अधिक भामाशाओं, दानदाताओं, कॉर्पोटर सेक्टर आदि को जोडने के लिए जिला स्तरीय सीएसआर की बैठक/ कार्यशाला जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 14 जून 2025 को प्रातः 11 बजे से आयोजित की जाएगी। इस दौरान कार्यशाला में जल उपयोग अंकेक्षण, ग्रीन ऑफिस एण्ड ग्रीन बजटींग एवं एनर्जी ऑडिट के संबंध में उद्यमियों को जागरुक किया जायेगा।

राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश कमेटी के चुनाव सम्पन्न

चमकता राजस्थान/फलोदी/ अनिल पुष्करणा। राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश कमेटी के चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें संगठन के प्रदेश नेतृत्व में जोधपुर से प्रदेश सलाहकार मंडल में शम्भूसिंह मेड़तिया व भंवरराम जाखड़,प्रदेश उपाध्यक्ष सन्तोकसिंह सिणली,प्रदेश महिला उपाध्यक्ष बेबी नन्दा तथा फलोदी जिले के जोधपुर सम्भाग प्रभारी सुखराम डारा बने ।

वरिष्ठ शिक्षक नेता रेवत लीलावत ने बताया कि इन नेताओं के निर्वाचन के बाद फलोदी जिले के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

इन नेताओं ने शिक्षक व शिक्षार्थी हित मे सदैव अग्रणी रहते हुए संघर्षरत रहते हुए नेतृत्व का आश्वासन दिया ।

इनके निर्वाचन से जिला संयोजक नरेंद्र देवड़ा,जिला प्रतिनिधि प्रेमप्रकाश सियाग, मोहम्मद हैदर,भागीरथ बिश्नोई,महेश मांजू,विवेक कुलदीप, सवाईसिंह भाटी,अर्जुनसिंह भाटी,मुकेश सियाग,अमित मीणा, लोकेश मीणा, प्रकाश लीलावत, मदन लीलावत, खेमचंद परिहार, सुभाष पँवार, सुरेश पँवार,ओमप्रकाश, श्यामदास,वीरेंद्र कुमार, भगवानाराम, अशोक गोदारा,कपिल पारीक,जोगेंद्र जीनगर, देवकी बिश्नोई, रेखा पुरोहित, सरोज पँवार,तारामुनी,आशा मीणा, प्रीति बिश्नोई, अनिता बिश्नोई सहित उपशाखा फलोदी के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है ।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी बाड़ी में प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर आयोजित

चमकता राजस्थान,

धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, बाड़ी द्वारा सत्यनारायण धर्मशाला में एक निःशुल्क प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संकल्प माँ भारती के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके मुख्य अतिथि सोसायटी के जिलाध्यक्ष तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राधेशयाम गर्ग रहे। विशिष्ट अतिथि जिला सचिव संजीव श्रीवास्तव, पूर्व पीएमओ डॉ. शिवदयाल मंगल, कोषाध्यक्ष सुनील गर्ग एवं डॉ. प्रज्ञादीप वर्मा भी मंचासीन रहे। डॉ. प्रज्ञादीप ने हार्ट अटैक के दौरान सीपीआर देने की तकनीक विस्तार से समझाई। राधेशयाम गर्ग ने सड़क दुर्घटना, साँप के काटने या बेहोशी जैसी आपात स्थितियों में

प्राथमिक उपचार की महत्वपूर्ण विधियों पर प्रकाश डाला। संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि धौलपुर में रेडक्रॉस शिविरों के माध्यम से अब तक सैकड़ों लोगों को जीवन रक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है और स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना की। पूर्व पीएमओ डॉ. शिवदयाल मंगल ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी नियमित अंतराल पर ऐसे शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक जनता को प्राथमिक उपचार और सीपीआर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर के अंत में अध्यक्ष गोपालदास गर्ग ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए पांच लाख रुपये तक के मुफ्त चिकित्सा बीमा कार्ड का वितरण किया, जिसमें पचास से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने लाभार्थी पंजीकरण कराया। इस शिविर ने प्राथमिक चिकित्सा जागरूकता बढ़ाने और जीवन रक्षा कौशल सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टाटा पावर की सोलर मैनुफैक्चरिंग शाखा ने तमिलनाडु प्लांट में 4 गीगावॉट सोलर मोड्यूल प्रोडक्शन का आंकड़ा पार किया

चमकता राजस्थान/जयपुर। टाटा पावर रीन्युएबल एनर्जी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी और टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (टाटा पावर) की मैनुफैक्चरिंग शाखा टीपी सोलर लिमिटेड ने घोषणा की है कि इसने अपने तमिलनाडु प्लांट में 4 गीगावॉट सोलर मोड्युल मैनुफैक्चरिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। प्लांट ने 31 मई 2025 तक कुल 4049 मेगावॉट सोलर मोड्यूल्स और 1441 मेगावॉट सोलर सैल्स का उत्पादन किया है।

उत्पादन का पैमाना बढ़ाने के उद्देश्य के साथ कंपनी ने वित्तीय वर्ष 26 में 3.7 गीगावॉट सोलर सैल आउटपुट और 3.725 गीगावॉट मोड्यूल उत्पादन का लक्ष्य रखा है। अपने इन प्रयासों के साथ कंपनी ने देश के स्वच्छ ऊर्जा रूपान्तरण को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है।

यह युनिट डोमेस्टिक कंटेंट रिक्वायरमेन्ट (डीसीआर) नियमों का अनुपालन करते हुए आधुनिक ऑटोमेटेड एवं एआई-उन्मुख तकनीकों के उपयोग द्वारा नेक्स्ट जनरेशन मोनो पीईआरसी (पेसिवेटेड एमिटर और रियर सैल) तथा अडवान्स्ड टॉपकॉन (टनल ऑक्साइड पैसिवेटेड कॉन्टेक्ट) मोड्युल्स बनाने में सक्षम है। इस तरह क्षमता बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करने और भारत में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की तीव्र तैनाती के माध्यम से देश की सोलर आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त बनाने के टाटा पावर के लक्ष्यों के अनुरूप है। यह यूनिट पहले से टाटा पावर की ऑर्डर बुक की आवश्यकतानुसार पैनल्स की आपूर्ति कर रही है जिसमें युटिलिटी-स्केल सोलर फार्म, हाइब्रिड एनर्जी पार्क और डिस्ट्रीब्यूटेड रूफटॉप सिस्टम तथा देश भर में कार्यरत मार्की थर्ड पार्टी इंस्टॉलेशन्स शामिल हैं।

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की स्नातक सोनाक्षी ने पेश किया ''ज़ात'' - महिलाओं की अनकही कहानियों को धातु और यादों से उकेरने वाली मूर्तिकला प्रदर्शनी

लंदन की भारतीय कलाकार ने नई दिल्ली के ब्रिटिश काउंसिल में प्रदर्शनी के ज़रिए नारीत्व की पुरानी सोच को चुनौती दी

चमकता राजस्थान

नई दिल्ली। ब्रिटिश काउंसिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग की गैलरी में ''ज़ात'' प्रदर्शनी पेश की जाएगी, जो सोनाक्षी की एक गहरी और प्रभावशाली मूर्तिकला कृति है। यह प्रदर्शनी मां-बेटी की पीढ़ियों की यादों को पारिवारिक चीज़ों, धातु और उनके अर्थों के ज़रिए सामने लाती है। यह प्रदर्शनी 11 जून से 31 जुलाई 2025 तक स्टडी यूकेः क्रिएटिव कनेक्शन्स क्कके हिस्से के रूप में चलेगी।

आगरा में जन्मी और अब लंदन में रहने वाली सोनाक्षी चतुर्वेदी अपनी पेंटिंग, इनैमलिंग और रत्नों की जानकारी को मिलाकर यह सवाल उठाती हैं कि महिलाओं की कहानियां कैसे याद रखी जाती हैं—या जानबूझकर भुला दी जाती हैं। यह प्रदर्शनी दुल्हन, मां और दादी जैसे पारंपरिक रोल्स पर सवाल उठाती है और भारतीय उपमहाद्वीप की हस्तकला परंपराओं में छिपी अनकही इच्छाओं को उजागर करती है।

● समकालीन कला में एक ताज़ा आवाज

2024 में मशहूर रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट से ज्वैलरी और मेटल में एमए पूरा करने वाली सोनाक्षी नई पीढ़ी की कलाकार हैं, जो पुरानी हस्तकला को आधुनिक कला के साथ जोड़ रही हैं। रत्न विशेषज्ञ होने के साथ-साथ इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (संस्कृति मंत्रालय) में शोधकर्ता के रूप में उनका अनुभव उन्हें दक्षिण एशियाई समाजों में गहनों और विरासत के सांस्कृतिक मायने समझने की गहरी समझ देता है।

सोनाक्षी बताती हैं, ''ज़ात की शुरुआत मेरी अपनी पुरानी यादों को सहेजने के लिए हुई थी, लेकिन यह जल्द ही एक तरह का दावा बन गया—उन पारिवारिक चीज़ों को खोजने का, जिनमें उन महिलाओं का चुपके से किया गया विरोध छिपा था, जिन्हें सिर्फ़ मां, दुल्हन या दादी के रूप में जाना गया। अपनी मूर्तियों के ज़रिए, मैं मां-बेटी की विरासत को चीज़ों की यादों के रूप में सहेजती हूं—ताकि आने वाली पीढ़ियों की महिलाएं उन्हें सिर्फ़ उनके रोल्स से नहीं, बल्कि उनकी ख्वाहिशों, आज़ादी और आवाज़ के साथ जानें।''

● चीज़ों में बसी यादें

''ज़ात'' का मतलब है अपनी असली पहचान। इस प्रदर्शनी में आने वाले लोग पीतल, सफेद धातु, कोल्ड इनैमल, रेज़नि-बेस्ड इनैमल और रत्नों से बनी मूर्तियों को देखेंगे, जो कलाकार की दादी के शादी के सामान से प्रेरित हैं। बाहर से ये मूर्तियां पुरानी, मैटेलिक और सादी लगती हैं—जो परंपराओं और घरेलू ज़िम्मेदारियों के बोझ को दिखाती हैं। लेकिन अंदर से ये रंग-बिरंगे, चटकीले और सपनीले रंगों से भरी हैं—जो छिपी इच्छाओं, जवानी और व्यक्तित्व की दुनिया को उजागर करती हैं। ये अलग-अलग सतहें उन पीढ़ियों की महिलाओं की कहानी कहती हैं, जिन्हें सिर्फ़ पत्नी, माँ या दादी के रूप में याद किया गया, लेकिन जिनके अंदर एक रंगीन और जीवंत दुनिया थी। ज़ात इन पारिवारिक चीज़ों से प्रेरित मूर्तियों को यादों के बर्तनों में बदल देता है—जो न सिर्फ़ विरासत को सहेजता है, बल्कि उन अनकही बातों को भी सामने लाता है।

सोनाक्षी चतुर्वेदी का पेशेवर अनुभव जयपुर के द जेम पैलेस, ज़ोया बाय टाटा, हाल ही में ओलंपिया ऑक्शन्स और लंदन में वेदांता द्वारा बनाए गए रिवरसाइड स्टूडियोज़ जैसे बड़े नामों तक फैला है, जिसने उन्हें पारंपरिक भारतीय गहनों और आधुनिक कला की गहरी समझ दी है।

● बड़े सांस्कृतिक प्रोग्राम का हिस्सा

''ज़ात'' ब्रिटिश काउंसिल की बेस्ट ऑफ ब्रिटिश सीरीज़ का हिस्सा है, जो यूके के उन पूर्व छात्रों को सेलिब्रेट करती है जो दुनिया भर में सांस्कृतिक बातचीत को आकार दे रहे हैं। स्टडी यूकेः क्रिएटिव कनेक्शन्स क्कप्रोग्राम यूके की शिक्षा के वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है, जो कला में नई सोच और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देता है।

● आने वाला भविष्य

फिलहाल जेम-ए (FGA) के साथ रत्नों की पढ़ाई और यूके के कलाकारों के साथ इनैमलिंग को और बेहतर करते हुए, सोनाक्षी डॉक्टरेट की पढ़ाई करने की योजना बना रही हैं ताकि सांस्कृतिक और लैंगिक पहचान पर अपनी कला को और गहरा सकें और हस्तकला आधारित सांस्कृतिक बातचीत में योगदान दे सकें।

● प्रदर्शनी का विवरणः

» क्याः ज़ात बाय सोनाक्षी

» कहांः गैलरी, ब्रिटिश काउंसिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

» कबः 11 जून झ 31 जुलाई 2025

» उद्घाटन समारोहः [तारीख और समय]

» प्रवेशः मुफ़्त

» गैलरी समयः सुबह 10 बजे झ शाम 6 बजे

कलाकार के बारे मेंः सोनाक्षी एक बहु-आयामी कलाकार, रत्न विशेषज्ञ और शोधकर्ता हैं, जिनका काम औपनिवेशिक दौर के बाद की भौतिक यादों, लैंगिक गहनों और मां-बेटी की विरासत को हस्तकला, धातु कार्य और कहानी कहने के ज़रिए खोजता है। उन्होंने रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन (2024) से ज्वैलरी और मेटल में एमए, NIFT बेंगलुरु (2022) से एक्सेसरी डिज़ाइन में B.Des, और IGI दुबई (2022) से ग्रेजुएट जेमोलॉजिस्ट की डिग्री हासिल की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929